मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 9 अंक 05
सोमवार, 06 जुलाई 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई में मानसून का रौद्र रूपः तीन की मौत पर उठे सवाल, स्कूल-कॉलेज बंद; फ्लाइट्स ठप-अलर्ट पर प्रशासन

मुंबई, 05 जुलाई। मानसून की बारिश मुंबई के लिए आफत बनकर आई है। रविवार को मुंबई में भारी बारिश और तेज हवाओं ने भारी तबाही मचाई, जिससे हवाई यात्रा बाधित हुई, तीन व्यक्ति की मौत हो गई और शहर में मानसून की तैयारियों को लेकर नई राजनीतिक बहस छिड़ गई।

देश की आर्थिक राजधानी के कई इलाकों में पिछले 24 घंटों में 200 से 300 मिलीमीटर तक वर्षा दर्ज की गई। मरीन ड्राइव व गेटवे ऑफ इंडिया के पास ऊंची लहरें देखी गईं। शहर के अलग-अलग हिस्सों से आईं तस्वीरों में समुद्र का उग्र रूप दिखाई दिया, जबकि लगातार हो रही वर्षा से जनजीवन प्रभावित होता रहा।

मुंबई में मौसम विभाग के ऑरेंज अलर्ट के मद्देनजर सोमवार को सभी सरकारी एवं निजी स्कूल-कॉलेजों में अवकाश घोषित किया गया है। रातभर हुई भारी बारिश के कारण रविवार को छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर रनवे का संचालन एक घंटे के लिए रोकना पड़ा। छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर रवने का कामकाज लगभग एक घंटे के लिए बंद होने से फ्लाइट्स संचालन बुरी तरह प्रभावित हुआ, जबकि क्टऊने और तेज बारिश की चेतावनी देते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

भारी बारिश और तेज हवाओं के कारण मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट को सुबह 10.17 बजे से 11.17 बजे के बीच रनवे का कामकाज रोकना पड़ा, जिससे आने और जाने

वाली दोनों तरह की फ्लाइट्स बाधित हुई।

खराब मौसम के कारण इंडिगो की चार फ्लाइट्स रद करनी पड़ीं और अलग-अलग एयरलाइंस की 13 आने वाली फ्लाइट्स का रास्ता बदलना पड़ा। सूत्रों के मुताबिक, हालात सुधरने के बाद रास्ता बदली गई सभी फ्लाइट्स मुंबई लौट गईं और सुरक्षित उतर गईं।

मुंबई में बारिश जानलेवा साबित हो रही है। लगातार हो रही बारिश की वजह से अब तक 3 लोगों की मौत हो गई। कुर्ला वेस्ट के कमानी इलाके में गोम्स गाउन बिल्डिंग के पास हिंदी बीएमसी स्कूल के पास एक दुकान पर पेड़ गिरने से 63 वर्षीय यूनुस कुंडावाला की मौत हो गई। यह घटना दोपहर करीब 12:40 बजे हुई। मुंबई के कुर्ला में रविवार को भारी बारिश के दौरान एक दुकान पर पेड़ गिरने से 63 वर्षीय व्यक्ति की मौत के बाद लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। मुंबई के गोरेगांव में टक्करोड पर एक केमिस्ट की दुकान के बाहर एक बड़ा पेड़ गिर गया, जिससे दो महिलाएं उसके नीचे दब गईं और गंभीर रूप से घायल हो गईं। यह घटना उउळश में कैद हो गई।

पेड़ गिरते ही स्थानीय लोग मदद के लिए दौड़े और पेड़ के नीचे फंसी दोनों महिलाओं को बाहर निकालने की कोशिश की। जल्द ही नगर निगम की टीम मौके पर पहुंची और लगभग 15 मिनट में पेड़ को हटा दिया गया, जिससे सड़क पर ट्रैफिक फिर से शुरू हो सका।

बच्चों से जुड़े अश्लील कंटेंट पर भारत सरकार का कड़ा रुख, इंस्टाग्राम-मेटा को भेजा नोटिस

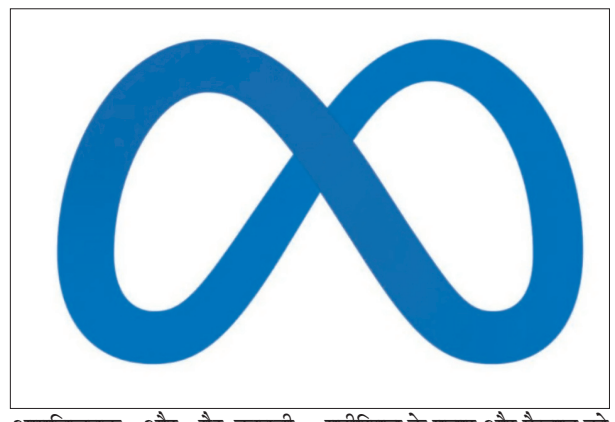

नई दिल्ली, 05 जुलाई। भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने इंस्टाग्राम की पैरेंट कंपनी मेटा को एक बहुत ही सख्त नोटिस जारी किया है। यह नोटिस इंस्टाग्राम पर पेड विज्ञापनों में बच्चों के यौन शोषण और दुर्व्यवहार से जुड़े कंटेंट को लेकर दिया गया है।

सरकार ने इंस्टाग्राम को आदेश दिया है कि वह ऐसे सभी विज्ञापनों और कंटेंट को तुरंत अपने प्लेटफॉर्म से हटाए जो इस तरह की गलत चीजों को बढ़ावा देते हैं। इसके साथ ही सरकार ने कंपनी से 7 दिनों के भीतर इस पूरे मामले पर पूरी जानकारी के साथ जवाब मांगा है।

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, इंस्टाग्राम पर कुछ ऐसे विज्ञापन दिखाए जा रहे थे जो यूजर्स को क्लिक करने पर दूसरे बाहरी प्लेटफॉर्म या वेबसाइट्स पर ले जाते थे। उन बाहरी प्लेटफॉर्म्स पर बच्चों के यौन शोषण से जुड़ा बेहद आपत्तिजनक और गैर-कानूनी कंटेंट मौजूद था। सरकार इस मामले को बहुत ज्यादा गंभीरता से ले रही है, क्योंकि आरोप है कि इंस्टाग्राम के एल्गोरिदम के जरिए ही ऐसे खतरनाक कंटेंट को बढ़ावा मिल रहा था। शहरऔर स्थानीय मार्गदर्शिका सरकार ने मेटा कंपनी को निर्देश दिया है कि वह बच्चों के शोषण से जुड़े इस गैर-कानूनी मटीरियल के प्रचार और फैलाव को रोकने के लिए तुरंत कड़े कदम उठाए। आजकल सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के जरिए बच्चों के यौन शोषण से जुड़े कंटेंट को फैलाने और लोगों तक इसकी पहुंच आसान बनाने के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। इसी चिंता को देखते हुए सरकार ने यह सख्त कदम उठाया है ताकि बच्चों को सुरक्षित रखा जा सके।

मानसून की रफ्तार: दिल्ली-यूपी-राजस्थान समेत उत्तर भारत में झमाझम बारिश; 11 जुलाई तक का अलर्ट

नई दिल्ली, 05 जुलाई। देश के अलग-अलग राज्यों बारिश के दौरा शुरू हो गया है। दिल्ली कई हिस्सों में 5-20 मिमी प्रति घंटे की रफ्तार से मध्यम से भारी बारिश के साथ आंधी-तूफान और बिजली गिरने की भी संभावना है।

मौसम विभाग के पूवार्नुमान के अनुसार, दक्षिण-पूर्व दिल्ली, पूर्वी दिल्ली, शहादरा, मध्य दिल्ली, उत्तर-पूर्व दिल्ली, दक्षिण दिल्ली, नई दिल्ली, दक्षिण-पश्चिम दिल्ली, पश्चिमी दिल्ली, उत्तर-पश्चिम दिल्ली और उत्तरी दिल्ली में हवा की गति 40-50 किमी घंटा रहने और इसके 60 किमी प्रति घंटा तक पहुंचने की उम्मीद है।

IMD के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के साथ-साथ हरियाणा, चंड़ीगढ़ और पंजाब में 6 जुलाई और 10 जुलाई को कहीं-

कहीं बारिश होने की उम्मीद है। हालांकि, 7 से 9 जुलाई के बीच और फिर 11 जुलाई को बारिश का दायरा बढ़कर काफी बड़े इलाके से लेकर पूरे इलाके तक फैल सकता है। मौसम विभाग ने इन क्षेत्रों में 6-9 जुलाई और 11 जुलाई को दौरान कहीं-कहीं भारी बारिश की चेतावनी भी दी है। राजस्थान में मानसून की गतिविधियां तेज होने वाली हैं। IMD ने पूर्वी राजस्थान में 6 जुलाई से 10 जुलाई तक बहुत भारी बारिश का अनुमान लगाया है और यह 11 जुलाई को भी जारी रहेगी। वहीं पश्चिमी राजस्थान में 7 और 8 जुलाई को भारी बारिश होने की संभावना है। पूरे सप्ताह दोनों क्षेत्रों में आंधी-तूफान, बिजली गिरने और 40-60 किमी प्रति घंटे के रफ्तार से तेज हवाएं चलने का अलर्ट जारी रहेगा।

राम मंदिर मुद्दे पर भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन का विपक्ष पर हमला

लखनऊ, 05 जुलाई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने रविवार को राम मंदिर के मुद्दे को लेकर निशाना साधते हुए विपक्ष पर हिंदू आस्था का अपमान और मंदिर आंदोलन का विरोध करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि किसी को भी भक्तों की भावनाओं को ठेस पहुंचाने की इजाजत नहीं दी जाएगी। नवीन ने दावा किया कि कांग्रेस पार्टी अप्रासंगिक हो गई है और 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों में समाजवादी पार्टी की "साइकिल कबाड़खाने में भेज दी जाएगी"।

उन्होंने जोर देकर कहा कि 'विकसित भारत' का लक्ष्य हासिल करने के लिए भाजपा को 2047 तक चुनाव जीतते रहना होगा। विपक्षी दलों के नेताओं को अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावे में वित्तीय अनियमितता मामले में चुनौती देते हुए नवीन ने कहा कि हिंदू धर्म को इतना कमजोर मत समझिए कि आपके झांसे में आ जाएंगे। नितिन नवीन ने यहां राष्ट्र प्रेरणा स्थल में अवध क्षेत्र के शक्ति केन्द्र संयोजकों की बैठक को संबोधित करते हुए कहा, "राहुल गांधी, अखिलेश यादव और अरविंद केजरीवाल जी हिंदू धर्म को इतना कमजोर मत समझिए कि आपके झांसे में आएंगे, आपके भरमाने में आयेंगे।

उन्होंने आरोप लगाया, "हमने देखा है कि जब हिंदू देवी देवताओं का अपमान होता है तो आप मौन रहते हैं। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि देखा गया है कि जब राम चरित मानस का अपमान हुआ तो कांग्रेस के लोग मौन बैठे थे। नवीन ने कहा, "आज कुछ लोग अयोध्या के श्रीराम मंदिर की चर्चा कर रहे हैं, ये वही लोग हैं जिन्होंने प्रभु श्रीराम के होने के अस्तित्व पर सवाल उठाया था। इन लोगों ने उच्चतम न्यायालय में हलफनामा दायर किया कि प्रभु

श्रीराम एक काल्पनिक चीज हैं, ये वही लोग हैं जिन्होंने कार सेवकों पर गोलियां चलाई थीं और अयोध?या की पवित्र नगरी पर खून की नदियां बहीं थीं।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि आज वे लोग आस्था की बात करते हैं, ये घड़ियाली आंसू बहाने वाले लोग कभी हिंदू धर्म की आस्था की बात उठा ही नहीं सकते। उन्होंने कहा कि भाजपा, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और विहिप का संघर्ष और 500 वर्षों का आस्था का जो संघर्ष है, वह कहीं न कहीं अयोध्या के भ?य श्रीराम मंदिर के रूप में सामने दिखता है। नवीन ने कहा, "मैं स्पष्ट कहना चाहता हूं कि हमारा खून भी बह जाएगा तो हम इस बात की चिंता करेंगे कि प्रभु श्रीराम की आस्था से कोई खेल नहीं सकता, चाहे कितनी भी कुबार्नी देनी पड़े। नवीन ने कहा कि भाजपा सरकार ने स्पष्ट किया है कि हर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। विपक्ष पर हमला करते हुए उन्होंने कहा, "आपने तो खून की नदियां बहाई हैं, आपकी विरासत हिंदुओं पर गोली चलाने की रही है और हमारी विरासत देवी देवताओं की आस्था के लिए कुर्बान होने की रही है।" नवीन ने कहा, "हमने विरासत को संजोया है, उसको संभालेंगे भी और उस पर गर्व करने के लिए लोगों को प्रेरित करेंगे।" नितिन नवीन ने कहा कि शक्ति केन्द्र के संयोजकों के बल पर 2027 में फिर से भाजपा का कमल खिलने को तैयार है। उन्होंने कहा, "उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य में भारत की आत्मा बसती है और उस उप्र में जहां पर प्रभु श्रीराम का जन्म का हुआ हो, वहां मयार्दा पुरुषोत्तम हमारे आदर्श ही नहीं हम सबको दिशा देते हैं। इस भूमि ने ऐसे महापुरुषों को जन्म दिया जिसने देश ही नहीं दुनिया को रास्ता दिया है।

अमित शाह आज सहकारिता मंत्रालय के 5वें स्थापना दिवस समारोह में कई महत्वपूर्ण पहलों का शिलान्यास और उद्घाटन करेंगे

नई दिल्ली, 05 जुलाई। केंद्रीय गृह मंत्री एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह कल, 6 जुलाई 2026 को नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में सहकारिता मंत्रालय के 5वें स्थापना दिवस समारोह में शामिल होंगे। यह समारोह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सहकार से समृद्धि के विजन और अमित शाह के नेतृत्व में आयोजित किया जा रहा है, जिनके मार्गदर्शन में सहकारिता क्षेत्र पारदर्शिता, तकनीक के उपयोग, संस्थागत सुदृढ़ीकरण और जमीनी स्तर के सशक्तिकरण की दिशा में निरंतर आगे बढ़ा है। पिछले पांच वर्षों में मंत्रालय ने प्राथमिक कृषि ऋण समितियों, सहकारी बैंकों, डेयरी सहकारी समितियों, शहरी सहकारी संस्थाओं, राष्ट्रीय स्तर की सहकारी संस्थाओं और बहु-राज्य सहकारी समितियों के लिए कई परिवर्तनकारी पहलें की हैं।

इस अवसर पर राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह, केंद्रीय

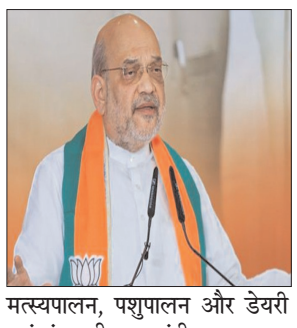

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी एवं पंचायती राज मंत्री; भजनलाल शर्मा, मुख्यमंत्री, राजस्थान; कृष्ण पाल गुर्जर, सहकारिता राज्य मंत्री; और मुरलीधर मोहोल, सहकारिता एवं नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री भी उपस्थित रहेंगे। इसके साथ-साथ, इस अवसर पर डॉ. आशीष कुमार भूटानी, सचिव, सहकारिता मंत्रालय; आतिश चंद्र, सचिव, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय; और नरेश पाल गंगवार, सचिव, पशुपालन और डेयरी विभाग तथा विभिन्न मंत्रालयों के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहेंगे।

गांवों के विकास को नई उड़ान, 'वीबी-जी-राम-जी' योजना के तहत केंद्र ने जारी किए 25863 करोड़ रुपये की पहली किस्त

नई दिल्ली, 05 जुलाई। केंद्र सरकार ने ग्रामीण भारत को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर और समृद्ध बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। केंद्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रविवार को वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिये राज्यों के ग्रामीण विकास मंत्रियों के साथ बैठक की।

इस दौरान उन्होंने 'विकसित भारत- गारंटी फार रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण)' यानी 'वीबी-जी-राम-जी' योजना के तहत पहली किस्त के रूप में 25,863 करोड़ की भारी-भरकम राशि जारी कर दी है। सरकार का संकल्प है कि इस योजना के जरिये ग्रामीणों को सम्मानजनक रोजगार मिले और उनके पसीने की हर बूंद का सही मोल समय पर चुकाया जा सके।

केंद्रीय मंत्री ने जोर देकर कहा कि इस राशि का उद्देश्य राज्यों के पास पर्याप्त फंड सुनिश्चित करना है ताकि श्रमिकों को 15 दिनों के भीतर उनकी मजदूरी मिल सके। उन्होंने राज्यों से अपना हिस्सा भी समय पर जारी करने की अपील की। ग्रामीण भाई-बहनों की सामाजिक सुरक्षा को मजबूत करते हुए इस योजना के तहत मजदूरी दरों में औसतन 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है, जिससे अब देश के किसी भी राज्य में दैनिक मजदूरी 300 से कम नहीं होगी।

जहां पुरानी 'मनरेगा' योजना को पूरे देश में लागू होने में करीब तीन साल लग गए थे, वहीं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 'वीबी-जी-राम-जी' को एक जुलाई से पूरे देश में एक ही दिन में लागू कर दिया गया है। आंध्र प्रदेश, केरलम और राजस्थान ने पहले ही दिन बड़े पैमाने पर रोजगार देकर शानदार मिसाल पेश की है।

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37
* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकित्सा उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकित्सा सुविधा उपलब्ध

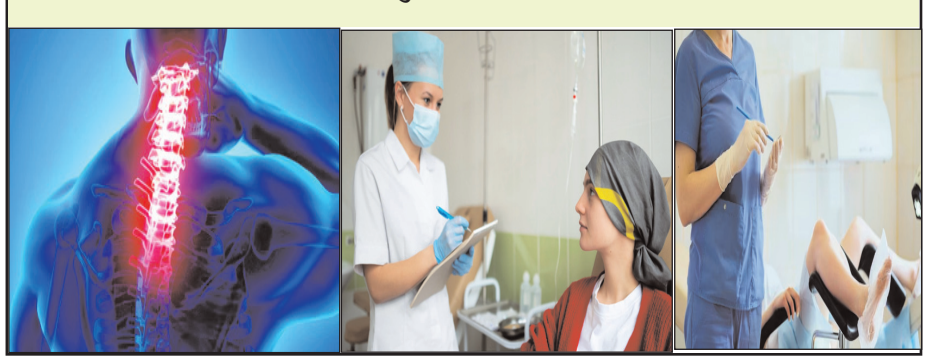

TIWARI'S SARASWATI CLASSES
Since 1992
Parents' First Choice for 34+ Years
Prof. Dr. Dayanand Tiwari
Founder & Academic Director
ADMISSIONS OPEN
9th | 10th | 11th | 12th SCIENCE
NEET | JEE | MHT-CET
10 DAYS FREE DEMO
Attend Classes • Experience Our Teaching
Take Admission After Satisfaction
(No Hidden Conditions)
✓ 34+ Years of Academic Excellence
✓ Experienced & Dedicated Faculty
✓ Personal Attention
✓ Printed Notes & Regular Tests
✓ Strong Foundation for Boards & Competitive Exams
Santacruz Branch
101 Sai Chambers, Opp. Santacruz Railway Station (East), Near Depot, Santacruz (E), Mumbai-400055
Sion Branch
Opp. SIES College (Old), Near Gurukripa Hotel, Sion (West), Mumbai
Limited Seats / Small Batch Size
CALL NOW:
7738007373

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg. Near Diamond Talkies, L.T. Road, Borivali (West) Mumbai - 400 092 Maharashtra
ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW

SMART CLASSROOM
(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
● Std. XI & XII (Sci.)
● NEET
● JEE (Main & Advance)
● MHT-CET
● Polytechnic & Engg
● Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)
M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

विकास की धंसती सड़कें और भ्रष्टाचार की गहरी नींवें

-ललित गर्ग

जिस दिल्ली-देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर को आधुनिक भारत के तेज, सुरक्षित और विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचे के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया गया, उसकी सड़क उद्घाटन के महज ढाई महीने बाद पहली ही बरसात में धंस गई। सड़क इस तरह धंसी कि कई वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गए। सौभाग्य से कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन इस घटना ने एक बार फिर विकास की चमकदार तस्वीर के पीछे छिपी कड़वी सच्चाई को उजागर कर दिया। प्रश्न यह है कि करोड़ों रुपये की लागत से बनी सड़क पहली ही वर्षा का सामना क्यों नहीं कर सकी? क्या निर्माण में गुणवत्ता से समझौता किया गया? क्या जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं थी? या फिर यह भ्रष्टाचार, लापरवाही और जवाबदेही के अभाव का परिणाम है? यह कोई अकेली घटना नहीं है। पिछले कुछ वर्षों में देश के विभिन्न राज्यों में नई सड़कों, पुलों, फ्लाईओवरों और सार्वजनिक भवनों के ध्वस्त होने की घटनाएं लगातार सामने आती रही हैं। बिहार में एक पखवाड़े के भीतर लगभग एक दर्जन छोटे-बड़े पुलों का गिर जाना पूरे देश को झकझोर गया था। एक ही दिन पांच पुल-पुलियों का धराशायी होना केवल तकनीकी विफलता नहीं, बल्कि शासन-प्रशासन में व्याप्त भ्रष्टाचार का जीवंत प्रमाण था। गुजरात के मोरबी पुल हादसे में 135 लोगों की जान चली गई। कोलकाता के विवेकानंद फ्लाईओवर के गिरने से अनेक परिवार उजड़ गए। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल-1 की छत गिरने की घटना और मुंबई के घाटकोपर में विशाल होर्डिंग गिरने से

हुई मौतों ने भी यह स्पष्ट कर दिया कि सार्वजनिक निर्माण की गुणवत्ता गंभीर संकट से गुजर रही है।

इन घटनाओं को केवल प्राकृतिक आपदा या भारी वर्षा का परिणाम बताकर जिम्मेदारी से बचा नहीं जा सकता। यदि पहली ही बारिश में सड़क धंस जाए, पुल बह जाएं या भवनों की छतें गिर जाएं, तो यह प्रकृति की नहीं, बल्कि मानव निर्मित विफलता की एवं गहरे में पैठे भ्रष्टाचार की कहानी है। आधुनिक इंजीनियरिंग और तकनीक के इस युग में ऐसी घटनाएं अस्वीकार्य हैं। यह विकास नहीं, बल्कि विकास के नाम पर जनता के साथ किया गया विश्वासघात है। सड़कें और पुल किसी भी राष्ट्र की आर्थिक प्रगति की धमनियां होते हैं। इनके माध्यम से व्यापार चलता है, गांव शहरों से जुड़ते हैं, किसान अपनी उपज बाजार तक पहुंचाते हैं और आम नागरिक सुरक्षित आवागमन करते हैं। जब यही आधारभूत संरचनाएं असमय ध्वस्त होने लगें, तो केवल कंक्रीट और लोहे का ढांचा नहीं टूटता, बल्कि जनता का शासन और प्रशासन पर विश्वास भी टूटता है।

दिल्ली-देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर की सड़क धंसने के मामले में राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने संबंधित प्रोजेक्ट मैनेजर और टीम लीडर को निलंबित किया तथा निर्माण कंपनी को कारण बताओ नोटिस जारी किया। लेकिन प्रश्न यह है कि क्या केवल निलंबन से समस्या का समाधान हो जाएगा? अनुभव बताता है कि अधिकांश मामलों में निलंबित अधिकारी कुछ समय बाद बहाल हो जाते हैं या उनका स्थानांतरण कर दिया जाता है। जिन कंपनियों को काली सूची में डाला जाता है, वे कुछ समय बाद नए नाम से फिर सरकारी ठेके प्राप्त करने लगती हैं। परिणामस्वरूप भ्रष्टाचार का चक्र लगातार चलता रहता है। वास्तविक समस्या जवाबदेही के अभाव की है। निर्माण की प्रत्येक प्रक्रिया-डिजाइन, सामग्री, तकनीकी परीक्षण और गुणवत्ता नियंत्रण के लिए जिम्मेदार अधिकारियों की व्यक्तिगत जिम्मेदारी तय नहीं होती। जब दोषियों को कठोर दंड नहीं मिलता, तब भ्रष्टाचार को अप्रत्यक्ष संरक्षण मिल जाता है। यही कारण है कि हर वर्ष बरसात के साथ सड़कें उखड़ती हैं, पुलों में दरारें पड़ती हैं और करोड़ों रुपये की परियोजनाएं समय से पहले दम तोड़ देती हैं।

देश में सार्वजनिक निर्माण परियोजनाओं का बड़ा हिस्सा कमीशनखोरी और रिश्वतखोरी की भेंट चढ़ जाता है। ठेके हासिल करने से लेकर बिलों के भुगतान तक अनेक स्तरों पर भ्रष्टाचार व्याप्त है। जब परियोजना की लागत का बड़ा भाग अवैध लेन-देन में खर्च हो जाता है, तब निर्माण की गुणवत्ता पर सीधा प्रभाव पड़ना स्वाभाविक है। घटिया सामग्री का उपयोग, तकनीकी मानकों की अनदेखी और समय सीमा का दबाव मिलकर ऐसी संरचनाएं तैयार करते हैं जो पहली ही परीक्षा में असफल हो जाती हैं। विडंबना यह भी है कि प्रत्येक दुर्घटना के बाद जांच समितियां गठित होती हैं, रिपोर्टें तैयार होती हैं, मुआवजे घोषित होते हैं, लेकिन व्यवस्था में कोई मूलभूत परिवर्तन नहीं आता। दोषी अधिकारियों और ठेकेदारों के विरुद्ध मुकदमे वर्षों तक लंबित रहते हैं। जनता का आक्रोश धीरे-धीरे शांत हो जाता है और फिर कोई नई दुर्घटना उसी कहानी को दोहरा देती है। विकसित देशों में भी दुर्घटनाएं होती हैं, किंतु वहां प्रत्येक हादसे के बाद प्रणालीगत सुधार किए जाते हैं। भारत में सुधार की अपेक्षा लीपापोती अधिक दिखाई देती है।

अब समय आ गया है कि सार्वजनिक निर्माण कार्यों के लिए पूरी व्यवस्था में आमूलचूल परिवर्तन किया जाए। प्रत्येक परियोजना के लिए स्वतंत्र थर्ड-पार्टी गुणवत्ता ऑडिट अनिवार्य किया जाए। निर्माण सामग्री की डिजिटल ट्रैकिंग, प्रत्येक चरण का तकनीकी सत्यापन तथा ड्रोन और आधुनिक सेंसर आधारित निरीक्षण को व्यवस्था का हिस्सा बनाया जाए। परियोजना पूरी होने के बाद केवल उद्घाटन नहीं, बल्कि निश्चित अवधि तक उसके प्रदर्शन का भी वैज्ञानिक मूल्यांकन किया जाए। सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता यह है कि दोषी अधिकारियों, इंजीनियरों और ठेकेदारों की व्यक्तिगत एवं आर्थिक जवाबदेही तय हो। यदि उनकी लापरवाही से जनहानि होती है या सार्वजनिक धन की बबादी होती है, तो केवल निलंबन नहीं, बल्कि सेवा से बर्खास्तगी, आर्थिक दंड और आपराधिक मुकदमे जैसी कठोर कार्रवाई होनी चाहिए। जब तक भ्रष्टाचार की कीमत चुकानी नहीं पड़ेगी, तब तक भ्रष्टाचार समाप्त नहीं होगा।

भारत आज विकसित राष्ट्र बनने का संकल्प लेकर आगे बढ़ रहा है। विश्वस्तरीय एक्सप्रेसवे, आर्थिक गलियारे, हाई-स्पीड रेल, आधुनिक हवाई अड्डे और स्मार्ट शहर तभी सार्थक होंगे, जब उनकी नींव ईमानदारी, गुणवत्ता और पारदर्शिता पर आधारित होगी। विकास का अर्थ केवल नई परियोजनाओं का उद्घाटन नहीं, बल्कि उनका वर्षों तक सुरक्षित और टिकाऊ बने रहना भी है। आज आवश्यकता केवल नई सड़कें और पुल बनाने की नहीं, बल्कि ऐसी व्यवस्था बनाने की है जिसमें कोई भी सड़क पहली बारिश में न धंसे, कोई पुल उद्घाटन से पहले न गिरे और कोई हवाई अड्डा यात्रियों के लिए खतरा न बने। भ्रष्टाचार की गहरी नींव पर विकास की मजबूत इमारत कभी खड़ी नहीं हो सकती। यदि भारत को वास्तव में विकसित राष्ट्र बनना है, तो विकास की चमक के साथ उसकी गुणवत्ता, पारदर्शिता और जवाबदेही को भी राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाना होगा। तभी जनता का विश्वास बचेगा, सार्वजनिक धन सुरक्षित रहेगा और विकास का मार्ग सचमुच मजबूत एवं स्थायी बन सकेगा।

डूबते शहर, ठहरती ज़िन्दगी और खोखला विकास

अशोक भाटिया

हर साल मानसून के दस्तक देते ही देश के बड़े महानगरों से लेकर टियर-2 और टियर-3 शहरों से डराने वाली तस्वीरें सामने आने लगती हैं। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई व मुंबई के पास वसई विरार के जलमग्न ट्रैक, बेंगलुरु के टेक-कॉरिडोर में तैरती नावें, दिल्ली की सड़कों पर लगा मीलों लंबा जाम, और चेन्नई से लेकर गुवाहाटी जैसे भौगोलिक रूप से भिन्न शहरों का पानी-पानी हो जाना अब कोई 'असाधारण घटना' नहीं रह गया है। यह अब हमारी सालाना नियति बन चुकी है।

शहरी बाढ़ आज भारत के लिए केवल एक मौसमी आपदा नहीं, बल्कि एक गंभीर संरचनात्मक, आर्थिक और नीतिगत संकट है। विश्व बैंक और प्रमुख शोध पत्रिकाओं की हालिया रिपोर्टें बताती हैं कि भारत दुनिया के उन देशों में अग्रणी है जहाँ बाढ़ संभावित क्षेत्रों में शहरी बस्तियों का विस्तार सबसे तीव्र गति से हुआ है। जब तक हम इस संकट की तह में जाकर इसके मानव-निर्मित कारणों को स्वीकार नहीं करेंगे, तब तक भारत के 'स्मार्ट सिटी' बनने का सपना हर मानसून में पानी में बहता रहेगा।

शहरी बाढ़ को अक्सर सामान्य ग्रामीण बाढ़ की तरह समझने की भूल की जाती है, जबकि दोनों के चरित्र और प्रभाव में जमीन-आसमान का अंतर है। ग्रामीण बाढ़ मुख्य रूप से नदियों के जलस्तर बढ़ने या उनके तटबंध टूटने से मैदानी इलाकों में धीरे-धीरे फैलती है। इसके विपरीत, शहरी बाढ़ एक अत्यधिक केंद्रित, तीव्र और 'मानव-निर्मित' आपदा है।

शहरीकरण के कारण कंक्रीट की अभेद्य सतहों का निर्माण होता है, जिससे जलभराव की गति सामान्य से 1.8 से 8 गुना तक बढ़ जाती है और पानी की मात्रा में 6 गुना तक की वृद्धि देखी जाती है। शहरों में घनी आबादी और अरबों रुपयों का बुनियादी ढांचा दांव पर होता है। चंद घंटों की मूसलाधार बारिश पूरे शहर के परिवहन, बिजली ग्रिड, इंटरनेट संचार और स्वास्थ्य सेवाओं को घुटनों पर ला देती है।

शहरी बाढ़ के कारणों को केवल 'प्रकृति का प्रकोप' कहकर खारिज नहीं किया जा सकता। इसके पीछे अनियोजित विकास और प्रशासनिक लापरवाही की एक लंबी कतार है। शहरों के पास जो तालाब, झीलें और दलदली भूमि थीं, वे प्राकृतिक 'स्पंज' या बफर का काम करती थीं, जो अतिरिक्त वर्षा जल को सोख लेती थीं। लेकिन रियल एस्टेट और अनियोजित शहरी विस्तार की भूख ने इन जल निकायों को निगल लिया है। उदाहरण के लिए, बेंगलुरु ने पिछले कुछ दशकों में अपने अंतर्संबंधित झीलों के तंत्र का एक बहुत बड़ा हिस्सा कंक्रीट की इमारतों के कारण खो दिया है। चेन्नई और हैदराबाद में भी बाढ़ के मैदानों पर बहुमंजिला इमारतें और मॉल खड़े कर दिए गए हैं, जिससे पानी के बहने और ठहरने का प्राकृतिक रास्ता ही बंद हो गया है।

भारत के अधिकांश महानगर आज भी दशकों पुराने, और मुंबई जैसे शहर तो औपनिवेशिक काल के ड्रेनेज सिस्टम पर निर्भर हैं। यह बुनियादी ढांचा उस समय की आबादी और वर्षा के पैटर्न को ध्यान में रखकर बनाया गया था। मिसाल के तौर पर, मुंबई का पुराना ड्रेनेज सिस्टम प्रति घंटे अधिकतम 25 मिमी बारिश का पानी निकालने की क्षमता रखता था, जबकि आज जलवायु परिवर्तन के कारण शहरों में प्रति घंटे 100 मिमी से अधिक की अति-तीव्र बारिश हो रही है। इस बढ़ी हुई क्षमता को संभालने में हमारे शहरों की संकरी और गाद से भरी नाली प्रणालियाँ पूरी तरह अक्षम हैं।

विकास के नाम पर मिट्टी की जगह डामर और कंक्रीट ने ले ली है? फुटपाथों से लेकर घरों के आंगनों तक को पक्का कर दिया गया है, जिससे जमीन के भीतर पानी रिसने की दर शून्य हो गई है? रही-सही कसर हमारा खराब ठोस अपशिष्ट प्रबंधन पूरी कर देता है? सिंगल-यूज प्लास्टिक, थमाकोल और निर्माण का मलबा बरसाती नालों और नालियों के मुहानों को जाम कर देते हैं? मानसून से पहले कागजों पर तो नालियों की सफाई दिखाई जाती है, लेकिन हकीकत पहली ही बारिश में सड़कों पर तैरते कचरे के रूप में सामने आ जाती है।

आज वैश्विक तापमान में वृद्धि के कारण मानसून का मिजाज पूरी तरह बदल चुका है। अब बारिश के दिनों की संख्या तो कम हो रही है, लेकिन कम समय में अत्यधिक तीव्र वर्षा की घटनाएं कई गुना बढ़ गई हैं? जब कुछ ही घंटों में पूरे महीने भर का पानी बरस जाएगा, तो बिना आधुनिक और वैज्ञानिक प्रबंधन के कोई भी पारंपरिक शहर पानी में डूबने से खुद को नहीं बचा सकता।

शहरी बाढ़ केवल कुछ दिनों का जलभराव नहीं है, इसके दीर्घकालिक परिणाम बेहद डरावने हैं:आर्थिक चोटः रिसर्च फर्मों और की रिपोर्टों के अनुसार, केवल बेंगलुरु में 2022 की एक दिन की बाढ़ से आईटी कॉरिडोर को लगभग 225 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ था। अनुमान है कि 2030 तक भारतीय शहरों को शहरी बाढ़ के कारण सालाना 5 अरब डॉलर तक का आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है।मानवीय और सामाजिक लागतः बाढ़ का सबसे क्रूर प्रहार समाज के सबसे निचले तबके यानी झुग्गी-झोपड़ियों और दैनिक मजदूरों पर होता है। निचले इलाकों में रहने वाले इन गरीबों के आशियाने उजड़ जाते हैं, आजीविका छिन जाती है और वे विस्थापित होने पर मजबूर हो जाते हैं।महामारियाँ और स्वास्थ्य संकटः बाढ़ का गंदा पानी जब पीने के पानी की लाइनों में मिल जाता है, तो हैजा, टायफाइड, डेंगू, मलेरिया और लेप्टोस्पायरोसिस जैसी जानलेवा बीमारियों का प्रकोप तेजी से फैलता है?

अब समय 'रिएक्टिव' (आपदा आने पर जागना) रवैये को छोड़कर 'प्रोएक्टिव' (पहले से तैयारी) दृष्टिकोण अपनाने का है। इसके लिए निम्नलिखित बहु-स्तरीय समाधानों को युद्धस्तर पर लागू करना होगा। जैसे 'स्पंज सिटी' की अवधारणा को अपनाना । आज चीन और कई यूरोपीय देशों की तर्ज पर भारतीय शहरों को 'स्पंज' में बदलना होगा। इसका अर्थ है कि शहर की रूपरेखा ऐसी हो जो वर्षा जल को बहने देने की बजाय खुद में सोख ले। इसके लिए:शहरों में पारगम्य कंक्रीट और ऐसी सड़कों का निर्माण किया जाए जिसके नीचे पानी जमीन में जा सके।शहरी वनीकरण पार्कों और 'रेन गार्डन्स' को बढ़ावा दिया जाए ताकि हरी-भरी सतहें पानी के वेग को कम कर सकें।

'ब्लू' (जल निकाय जैसे झील, तालाब, नदियाँ) और 'ग्रीन' (पार्क, पेड़-पौधे) के समन्वय से ही शहरों को बचाया जा सकता है। दिल्ली के मास्टर प्लान 2041 में इस अवधारणा को शामिल किया गया है। चेन्नई नगर निगम द्वारा स्मार्ट सिटी मिशन के तहत झीलों के जीर्णोद्धार की पहल एक सराहनीय उदाहरण है, जहाँ गाद निकालकर तालाबों की जल संचयन क्षमता को बढ़ाया गया है। इस मॉडल को देशव्यापी बनाना होगा।शहरी स्थानीय निकायों को आने वाले 50 वर्षों के वर्षा अनुमानों और जलवायु परिवर्तन के आंकड़ों के आधार पर अपने ड्रेनेज सिस्टम को रीडिजाइन करना चाहिए। नालियों की केवल मानसून से पहले सफाई नहीं, बल्कि चौबीसों घंटे निगरानी होनी चाहिए। केंद्रीय लोक स्वास्थ्य एवं पर्यावरणीय इंजीनियरी संगठन के मानकों के अनुसार ड्रेनेज नेटवर्क का विस्तार अनिवार्य किया जाना चाहिए।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता , भौगोलिक सूचना प्रणाली और इंटरनेट ऑफ थिंग्स सेंसर की मदद से जलभराव वाले हॉटस्पॉट की रीयल-टाइम मैपिंग की जानी चाहिए। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के 'मौसम ऐप' और स्थानीय अलर्ट सिस्टम को इतना सटीक होना चाहिए कि भारी बारिश से दो घंटे पहले ही निचले इलाकों के नागरिकों को सुरक्षित निकाला जा सके या यातायात को डायवर्ट किया जा सके। इसके अलावा, अंडरपास और सबवे में पानी भरने से रोकने के लिए आधुनिक 'इन्फ्लेटेबल फ्लड बैरियर्स' जैसी तकनीकों का त्वरित उपयोग किया जाना चाहिए।

बाढ़ के मैदानों और प्राकृतिक नालों पर निर्माण को पूरी तरह 'नो-कंस्ट्रक्शन जोन' घोषित कर कानूनी रूप से प्रतिबंधित किया जाना चाहिए। सरकार की अटफ्मळ 2।0 योजना के तहत बरसाती नालों को जल निकायों से जोड़ने और 'मॉडल बिल्डिंग बाय-लॉज' के तहत 100 वर्ग मीटर से बड़े सभी भूखंडों पर रेन वाटर हार्वेस्टिंग (वर्षा जल संचयन) को अनिवार्य बनाने के नियम को कड़ाई से जमीन पर लागू करना होगा।

शहरी बाढ़ अब केवल एक प्रशासनिक समस्या या इंजीनियरिंग की खामी नहीं है; यह हमारे विकास के प्रतिमानों पर एक बड़ा प्रश्नचिह्न है। कंक्रीट के बेतरतीब जंगल खड़े करके हम खुद को 'वैश्विक महाशक्ति' या 'स्मार्ट' नहीं कह सकते, यदि हमारी अर्थव्यवस्था और जनजीवन चार घंटे की बारिश भी न झेल सके।

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने 2010 में ही शहरी बाढ़ प्रबंधन के लिए व्यापक दिशानिर्देश जारी किए थे, लेकिन वे आज भी नगर निगमों की फाइलों में धूल फांक रहे हैं। केंद्र, राज्य और स्थानीय निकायों के बीच राजनीतिक और प्रशासनिक समन्वय के बिना इस संकट से पार पाना असंभव है।यदि हम चाहते हैं कि हमारे शहर देश की आर्थिक प्रगति के इंजन बने रहें, तो हमें प्रकृति के साथ तालमेल बिठाना ही होगा। पानी अपना रास्ता खुद ढूंढ लेता है; यदि हम उसे उसका रास्ता नहीं देंगे, तो वह हमारे घरों, दफ्तरों और तरक्की के रास्तों में घुसकर सब कुछ तबाह करता रहेगा। समय आ गया है कि हम ₹बाढ़-लचीले₹ शहरी नियोजन को अपनी सर्वोच्च राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाएं, अन्यथा हर साल मानसून का आगमन उत्सव की जगह एक त्रासदी बनकर आता रहेगा।

चीन का नया कानून दुनिया में बहस का बड़ा मुद्दा

-अजय कुमार

भारत में समान नागरिक संहिता यानी यूनिफॉर्म सिविल कोड को लेकर बहस अभी जारी है, लेकिन इसी दौरान चीन ने ऐसा कानून लागू कर दिया है, जिसने पूरी दुनिया में नई चर्चा छेड़ दी है। पहली नजर में इसे देखकर लगता है कि यह भी किसी तरह का 'यूनिफॉर्म कानून' है, लेकिन असलियत इससे कहीं ज्यादा गहरी है। 1 जुलाई 2026 से लागू हुआ 'एथनिक यूनिटी एंड प्रोग्रेस प्रमोशन लॉ' केवल कानून नहीं बल्कि चीन की उस दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा है, जिसके जरिए वह देश में मौजूद अलग-अलग जातीय पहचानों को एक साझा चीनी राष्ट्रीय पहचान में ढालना चाहता है। यही वजह है कि जहां बीजिंग इसे राष्ट्रीय एकता का सबसे बड़ा कदम बता रहा है, वहीं संयुक्त राष्ट्र, एमनेस्टी इंटरनेशनल और कई मानवाधिकार संगठन इसे अल्पसंख्यकों की पहचान मिटाने की कानूनी शुरूआत मान रहे हैं।करीब 1.41 अरब आबादी वाले चीन में सरकार आधिकारिक तौर पर 56 जातीय समूहों को मान्यता देती है। इनमें लगभग 91 प्रतिशत आबादी हान समुदाय की है, जबकि बाकी 55 समुदायों में उइगर, तिब्बती, मंगोल, हुई, झुआंग, मियाओ और कई अन्य समूह शामिल हैं। इन समुदायों की अपनी भाषाएं, संस्कृति, धार्मिक परंपराएं और सामाजिक पहचान है। चीन का संविधान इन्हें अधिकार देता है, लेकिन पिछले एक दशक में राष्ट्रपति शी जिनपिंग की सरकार ने 'झोंगहुआ मिन्जू' यानी एकीकृत चीनी राष्ट्र की अवधारणा को सबसे ऊपर रखा है। अब उसी सोच को पहली बार एक व्यापक राष्ट्रीय कानून का रूप दे दिया गया है।

दरअसल यह कहानी आज से नहीं बल्कि कई दशक पहले शुरू हुई थी। 1984 में चीन ने रीजनल एथनिक ऑटोनॉमी लॉ बनाया था, जिसके तहत अल्पसंख्यक क्षेत्रों को अपनी भाषा और संस्कृति बचाने के कुछ अधिकार मिले थे। लेकिन 2014 के बाद स्थिति बदलनी शुरू हुई। शी जिनपिंग ने राष्ट्रीय सुरक्षा, आतंकवाद और अलगाववाद को सबसे बड़ी चुनौती बताते हुए नई नीति अपनाई। शिनजियांग में निगरानी व्यवस्था बढ़ाई गई, तिब्बत में शिक्षा व्यवस्था बदली गई, इनर मंगोलिया में स्थानीय भाषा की जगह मंदारिन को बढ़ावा दिया गया। उस समय इन फैसलों का विरोध हुआ, लेकिन सरकार पीछे नहीं हटी। अब वही सारी नीतियां एक नए कानून के जरिए स्थायी ढांचे में बदल गई हैं।इस कानून का सबसे बड़ा आधार भाषा है। चीन चाहता है कि पूरे देश में एक साझा भाषा के रूप में मंदारिन ही प्रमुख रहे। प्री-स्कूल से लेकर विश्वविद्यालय तक शिक्षा का मुख्य माध्यम मंदारिन होगा। सरकारी कार्यालयों, सार्वजनिक संस्थानों और आधिकारिक संचार में भी इसी भाषा को प्राथमिकता दी जाएगी। सरकार का तर्क है कि साझा भाषा आर्थिक अवसर बढ़ाती है, रोजगार आसान बनाती है और राष्ट्रीय एकता मजबूत करती है। लेकिन विरोध करने वालों का कहना है कि भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं बल्कि पहचान का सबसे बड़ा आधार होती है। यदि किसी समुदाय की मातृभाषा धीरे-धीरे स्कूलों और सरकारी व्यवस्था से बाहर हो जाएगी तो आने वाली पीढ़ियों में उसकी सांस्कृतिक पहचान भी कमजोर पड़ जाएगी।

यही वजह है कि सबसे ज्यादा चिंता उइगर, तिब्बती और मंगोल समुदायों को लेकर जताई जा रही है। शिनजियांग में करीब 1.2 करोड़ उइगर मुसलमान, तिब्बत में लाखों तिब्बती बौद्ध और इनर मंगोलिया में बड़ी संख्या में मंगोल समुदाय रहता है। पिछले कुछ वर्षों से इन इलाकों में स्थानीय भाषाओं की जगह मंदारिन को बढ़ावा देने की नीति लागू की जा रही थी। अब नया कानून इस पूरी प्रक्रिया को कानूनी सुरक्षा देता है। विशेषज्ञों का कहना है कि इससे आने वाले वर्षों में स्थानीय भाषाओं का प्रयोग केवल घरों तक सीमित रह सकता है।कानून केवल भाषा तक सीमित नहीं है। इसमें स्कूलों, परिवारों, मीडिया, सामाजिक संगठनों और सरकारी संस्थाओं को 'चीनी राष्ट्रीय पहचान' मजबूत करने की जिम्मेदारी दी गई है। पाठ्यक्रमों में राष्ट्रवाद, राष्ट्रीय एकता और शी जिनपिंग की विचारधारा को बढ़ावा देने की बात कही गई है। अंतरजातीय विवाह को प्रोत्साहित करने की बात भी सामने आई है ताकि अलग-अलग समुदायों के बीच सामाजिक दूरी कम हो। चीन इसे सामाजिक समरसता बता रहा है, लेकिन आलोचकों का कहना है कि यह विविधता को खत्म कर एक जैसी पहचान बनाने की कोशिश है। सबसे ज्यादा विवाद आर्टिकल-63 को लेकर है। यह प्रावधान कहता है कि यदि कोई चीनी नागरिक विदेश में रहकर भी चीन की जातीय एकता के खिलाफ गतिविधि करता है या अलगाववाद को बढ़ावा देता है तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। यानी कानून का प्रभाव केवल चीन की सीमा तक सीमित नहीं रहेगा। यही कारण है कि अमेरिका, यूरोप और कई मानवाधिकार संगठनों ने इस प्रावधान पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि विदेशों में रहने वाले उइगर, तिब्बती और अन्य कार्यकर्ताओं को भी इस कानून के जरिए निशाना बनाया जा सकता है।संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार प्रमुख ने भी इस कानून पर चिंता व्यक्त की है। उनका कहना है कि यदि भाषा, धर्म, संस्कृति और शांतिपूर्ण अभिव्यक्ति पर अतिरिक्त नियंत्रण लगाया गया तो अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार मानकों का उल्लंघन हो सकता है। दूसरी ओर चीन इन आरोपों को पूरी तरह खारिज करता है। बीजिंग का कहना है कि यह कानून केवल आतंकवाद, चरमपंथ और अलगाववाद के खिलाफ है तथा इसका उद्देश्य सभी जातीय समूहों को समान अवसर देना है। चीन लगातार दावा करता रहा है कि शिनजियांग और तिब्बत में उसकी नीतियों से गरीबी कम हुई है, शिक्षा बढ़ी है और आर्थिक विकास तेज हुआ है।

असल सवाल यह है कि क्या यह कानून वास्तव में राष्ट्रीय एकता लाएगा या सांस्कृतिक पहचान को कमजोर करेगा। इतिहास बताता है कि किसी भी देश में साझा राष्ट्रीय पहचान बनाना आसान नहीं होता। भाषा, संस्कृति और परंपरा लोगों की भावनाओं से जुड़ी होती हैं। जब सरकारें इन्हें बदलने की कोशिश करती हैं तो अक्सर राजनीतिक और सामाजिक तनाव पैदा होता है। चीन का कहना है कि उसकी प्राथमिकता स्थिरता और विकास है, जबकि आलोचकों का मानना है कि स्थिरता के नाम पर सांस्कृतिक विविधता को सीमित किया जा रहा है।भारत में चल रही यूनिफॉर्म सिविल कोड की बहस और चीन के इस कानून की तुलना भी इसी वजह से चर्चा में है। लेकिन दोनों की प्रकृति पूरी तरह अलग है। भारत में यूसीसी का संबंध विवाह, तलाक, उत्तराधिकार और गोद लेने जैसे सिविल कानूनों से है। इसके विपरीत चीन का नया कानून भाषा, शिक्षा, संस्कृति, राष्ट्रीय पहचान और राजनीतिक विचारधारा से जुड़ा हुआ है। इसलिए दोनों को एक जैसा कानून कहना तथ्यात्मक रूप से सही नहीं होगा।

फिलहाल इतना तय है कि चीन ने केवल नया कानून लागू नहीं किया, बल्कि अपनी राष्ट्रीय नीति को नया कानूनी आधार दे दिया है। आने वाले वर्षों में इस कानून का असर केवल चीन तक सीमित नहीं रहेगा। विदेशों में रहने वाले चीनी मूल के लोगों, अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संस्थाओं और दुनिया की बड़ी लोकतांत्रिक सरकारों की नजर भी इसके हर कदम पर रहेगी। यदि यह कानून सांस्कृतिक विविधता और राजनीतिक असहमति के दायरे तक पहुंचा तो चीन और पश्चिमी देशों के बीच टकराव और बढ़ सकता है। लेकिन अगर बीजिंग इसे केवल आतंकवाद और अलगाववाद तक सीमित रखने में सफल रहा तो वह इसे अपनी सबसे बड़ी राजनीतिक उपलब्धियों में शामिल करेगा। फिलहाल दुनिया इसी सवाल का जवाब तलाश रही है कि यह कानून राष्ट्रीय एकता का नया मॉडल बनेगा या सांस्कृतिक पहचान पर सबसे बड़ा कानूनी नियंत्रण साबित होगा।

खामेनेई का अंतिम संस्कारः शोक आमंत्रण में छिपा है बड़ा सियासी संदेश

-संजय सक्सेना

ईरान के पूर्व राष्ट्रपति इब्राहिम रायसी के निधन के बाद चार जुलाई 2026 को उनके अंतिम संस्कार को लेकर उपजे कूटनीतिक घटनाक्रम ने भारतीय राजनीति और विदेश नीति के गलियारों में एक नई चर्चा को जन्म दे दिया है। ईरान सरकार द्वारा भारत की कई प्रमुख राजनीतिक और सामाजिक हस्तियों को इस शोक सभा में आमंत्रित करना न केवल दोनों देशों के बीच गहरे होते संबंधों का संकेत है, बल्कि यह पश्चिम एशिया की बदलती भू-राजनीति में भारत की बढ़ती अहमियत को भी रेखांकित करता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मिला निमंत्रण इस बात का प्रमाण है कि ईरान भारत को अपने रणनीतिक भागीदारों की सूची में शीर्ष पर रखता है, लेकिन प्रधानमंत्री के स्थान पर बिहार के राज्यपाल को भारत के प्रतिनिधि के तौर पर भेजना यह दशार्ता है कि भारत कूटनीतिक शिष्टाचार और आंतरिक व्यस्तताओं के बीच एक संतुलित रुख अपना रहा है। यह आमंत्रण भारत के लिए एक जटिल स्थिति भी पैदा करता है। कांग्रेस सहित विभिन्न विपक्षी दलों के नेताओं को बुलावा जाना यह स्पष्ट करता है कि ईरान भारत के किसी एक धड़े या सरकार से नहीं, बल्कि पूरे भारतीय तंत्र से संवाद बनाए रखने का इच्छुक है। भारत के भीतर अयातुल्ला अली खामेनेई और ईरानी नेतृत्व के प्रति एक बड़े वर्ग की आस्था किसी से छिपी नहीं है। हाल ही में मोहर्रम के दौरान लखनऊ और देश के अन्य हिस्सों में खामेनेई के पोस्टर और उनकी विचारधारा के समर्थन में दिखने वाली सक्रियता इस बात का प्रमाण है कि भारत में ईरान के वैचारिक और धार्मिक अनुयायियों का एक मजबूत आधार मौजूद है। ऐसे में ईरान के शोक में शामिल होने का सरकार का यह निर्णय इस विशाल आबादी के प्रति एक संवेदनशील संदेश भी है।

भारतीय राजनीति के दृष्टिकोण से देखें तो यह घटनाक्रम देश के भीतर सॉफ्ट पावर और सांस्कृतिक कूटनीति की जटिलताओं को उजागर करता है। जब भारत सरकार के प्रतिनिधि आधिकारिक तौर पर ईरान के इस शोक आयोजन में शामिल होते हैं, तो वे अनजाने में ही घरेलू राजनीति में मौजूद उन समर्थकों को एक सकारात्मक संदेश देते हैं, जो ईरान के शीर्ष नेतृत्व के प्रति गहरी श्रद्धा रखते हैं। यह कदम भारत की उस स्ट्रेटेजिक ऑटोनॉमी (रणनीतिक स्वायत्तता) को भी पुष्ट करता है, जहां भारत अमेरिका और इजरायल जैसे अपने अन्य रणनीतिक सहयोगियों के साथ संबंधों को प्रभावित किए बिना ईरान के साथ अपने ऐतिहासिक और सांस्कृतिक जुड़ाव को प्राथमिकता देता है। कहा जा रहा है कि इस यात्रा का व्यापक प्रभाव यह होगा कि यह भारत को वैश्विक स्तर पर एक ऐसे तटस्थ और संतुलित शक्ति के रूप में स्थापित करेगा, जिसकी पहुंच और प्रभावशीलता ईरान जैसे देशों के बीच भी बनी हुई है। हालांकि, देश की आंतरिक राजनीति में यह कदम विपक्षी दलों के लिए एक अवसर भी हो सकता है कि वे भारत की विदेश नीति में ईरान के महत्व को रेखांकित करें और सरकार पर यह दबाव बनाएं कि वह इस संबंध को आगे बढ़ाते हुए अपनी अल्पसंख्यक आबादी की आकांक्षाओं और हितों का भी ध्यान रखे। बहरहाल, यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के निधन के बाद उनके अंतिम संस्कार और दफन समारोह के लिए ईरान द्वारा भारत को भेजा गया औपचारिक आमंत्रण एक अत्यंत महत्वपूर्ण राजनयिक घटना है। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को व्यक्तिगत रूप से आमंत्रित किया था, जो दोनों देशों के बीच गहरे रणनीतिक और ऐतिहासिक संबंधों का संकेत है। हालांकि, प्रधानमंत्री के पास पहले से निर्धारित अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं के चलते भारत सरकार ने एक उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भेजने का निर्णय लिया है, जिसमें बिहार के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) सैयद अता हसनैन और विदेश राज्य मंत्री पबित्रा मार्गेरिटा शामिल हैं। इस आमंत्रण की सबसे दिलचस्प कड़ी वह सूची है, जिसमें मुख्यधारा के कई राजनीतिक दलों के नेताओं को भी आमंत्रित किया गया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, पूर्व विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद और पार्टी के मीडिया एवं प्रचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा को निमंत्रण मिला है। इसके अतिरिक्त, जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती तथा जम्मू-कश्मीर के पाँच शिया धर्मगुरुओं को भी आमंत्रित किए जाने की खबरें हैं।

ईरान की इस रणनीति के पीछे कई गहरे भू-राजनीतिक निहितार्थ छिपे हैं। सबसे स्पष्ट संदेश यह है कि ईरान भारत के साथ केवल सत्ताधारी दल के साथ ही नहीं, बल्कि भारत की पूरी लोकतांत्रिक व्यवस्था और विविध राजनीतिक स्पेक्ट्रम के साथ अपना जुड़ाव बनाए रखना चाहता है। विपक्षी नेताओं और क्षेत्रीय दिग्गजों को बुलाकर ईरान यह जताना चाहता है कि उसका भारत से संबंध किसी एक सरकार या कार्यकाल तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक ह्लराष्ट्र-से-राष्ट्रह्व का रिश्ता है जो दशकों पुराना है।उधर, कई बड़े राजनीतिक चेहरों और रसूखदार नेताओं को आमंत्रण न मिलना ईरान की एक सधी हुई कूटनीति का हिस्सा माना जा रहा है। ईरान नहीं चाहता कि इस गंभीर शोक आयोजन को किसी प्रकार की घरेलू राजनीतिक खींचतान या अंतरराष्ट्रीय विवादों में घसीटा जाए। निमंत्रण सूची को बेहद चुनिंदा रखना यह भी बताता है कि तेहरान भारत के साथ कूटनीतिक संतुलन बनाने में बहुत सतर्क है।

खैर, ऐसा लगता है कि यह पूरा घटनाक्रम भारत की उस स्थिति को और अधिक जटिल बनाता है, जहां उसे अपनी रणनीतिक स्वायत्तता के साथ आगे बढ़ना होता है। एक तरफ चाबहार बंदरगाह जैसी परियोजनाओं के जरिए भारत ईरान के साथ अपने आर्थिक हित सुरक्षित करना चाहता है, तो दूसरी तरफ उसे अमेरिका और इजरायल के साथ अपने संबंधों का भी संतुलन बनाए रखना है। ईरान का यह आमंत्रण भारत की मल्टी-अलाइनमेंट नीति की एक बड़ी परीक्षा है।कुल मिलाकर, यह कूटनीतिक प्रतिनिधित्व सिर्फ एक अंतिम संस्कार में शामिल होना नहीं है, बल्कि यह बदलते वैश्विक परिदृश्य में भारत की उस बैलेंसिंग एक्ट की एक कड़ी है, जो उसे एक साथ कई ध्रुवों के साथ संबंध बनाए रखने की अनुमति देती है। आने वाले समय में यह देखना दिलचस्प होगा कि यह यात्रा ईरान के साथ भारत के द्विपक्षीय व्यापारिक और ऊर्जा सुरक्षा समझौतों को किस तरह नई गति देती है और क्या इसका असर भारत के भीतर रहने वाले ईरान समर्थक समुदाय की राजनीतिक सक्रियता पर कोई बड़ा प्रभाव डालेगा।

भिवंडी की जलभराव वाली सड़कों पर अचानक उतरा स्पाइडरमैन, लोगों की मदद करते हुए किया मनोरंजन; वीडियो वायरल

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। शनिवार को हुई मूसलाधार बारिश के बाद भिवंडी शहर के कई निचले इलाकों में जलभराव हो गया। छत्रपति शिवाजी महाराज चौक, तीनबत्ती, भाजी मार्केट सहित कई क्षेत्रों में घुटनों तक पानी भर जाने से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। वहीं ड्रेनेज लाइन में कचरा फंसने के कारण पानी की निकासी भी बाधित हो गई। इसी बीच स्पाइडरमैन की वेशभूषा पहने एक युवक लोगों के बीच आकर्षण का केंद्र बन गया। उसने पानी में उतरकर अपने हाथों से नालियों में फंसा कचरा साफ किया, जिससे पानी की निकासी का रास्ता खुल सका। इसके अलावा उसने जलभराव वाले रास्तों से गुजर रहे नागरिकों और वाहन चालकों की सुरक्षित आवाजाही में भी मदद की। युवक ने छोटे बच्चों को अपने कंधों पर बैठाकर उनका मनोरंजन भी किया, जिससे बारिश और जलभराव के बीच लोगों के चेहरों पर मुस्कान लौट आई। मदद और मानवीय संवेदना से जुड़ा यह अनोखा दृश्य किसी ने मोबाइल में कैद कर लिया, जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। स्थानीय लोग युवक की इस पहल की सराहना कर रहे हैं।

प्रजापति समाज विकास मंडल का वृक्षारोपण अभियान 7 जुलाई को पनवेल में

पनवेल, नवीं मुंबई (उत्तरशक्ति)। प्रजापति समाज विकास मंडल (रजि.) राष्ट्रीय सामाजिक संस्था (एनजीओ) द्वारा पर्यावरण संरक्षण और हरित अभियान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मंगलवार, 7 जुलाई 2026 को पनवेल में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

संस्था द्वारा हर वर्ष आयोजित किए जाने वाले इस अभियान के तहत इस वर्ष भी बड़ी संख्या में पौधारोपण किया जाएगा। संगठन ने समाज के सभी वर्गों, युवाओं, महिलाओं एवं नागरिकों से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर पर्यावरण संरक्षण के इस अभियान में सहभागिता निभाने की अपील की है। कार्यक्रम सुबह 9:00 बजे छठ पूजा तालाब, करंजाडे, पनवेल, नवी मुंबई में आयोजित होगा। आयोजकों का कहना है कि सामूहिक प्रयासों से अधिक से अधिक पौधे लगाए जाएंगे, जिससे पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ लोगों में हरियाली के प्रति जागरूकता भी बढ़ेगी। इस कार्यक्रम के प्रमुख आयोजकों में राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्र प्रताप प्रजापति, राष्ट्रीय मुख्य महासचिव गजेंद्र प्रजापति, प्रदेश अध्यक्ष (युवा प्रकोष्ठ, महाराष्ट्र) विशाल प्रजापति, अध्यक्ष (युवा प्रकोष्ठ, पीएमसी) लव कुमार प्रजापति तथा संस्था के समस्त कार्यकारिणी शामिल रहेंगे।

भिवंडी अदालत ने अवैध रूप से भारत में रह रहे बांग्लादेशी नागरिक को 15 महीने की जेल

भिवंडी। बिना वैध पासपोर्ट और दस्तावेजों के भारत में अवैध रूप से रह रहे एक बांग्लादेशी नागरिक को भिवंडी के जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायालय ने 15 माह के कारावास की सजा सुनाई है। दोषी की पहचान 24 वर्षीय आसिफ आतिफ शेख, निवासी नई बस्ती, भिवंडी (मूल निवासी नोआखाली, बांग्लादेश) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, शांतीनगर पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि टेमघर स्थित निसर्ग ढाबा के पास मांगीलाल प्रजापति की कंपनी में एक बांग्लादेशी नागरिक अपनी पहचान छिपाकर काम कर रहा है। सूचना के आधार पर सहायक पुलिस निरीक्षक सुरेश चोपडे के नेतृत्व में पुलिस टीम ने पंचों की मौजूदगी में छापा मारकर आरोपी को हिरासत में लिया।पूछताछ के दौरान आरोपी ने स्वीकार किया कि वह बांग्लादेश का मूल निवासी है और अवैध रास्ते से भारत में प्रवेश कर भिवंडी में रह रहा था। इसके बाद उसके खिलाफ विदेशी नागरिक अधिनियम, 1946 तथा पासपोर्ट (भारत में प्रवेश) से संबंधित प्रावधानों के तहत शांतीनगर पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया। मामले की सुनवाई भिवंडी के जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायालय में न्यायाधीश एस. एम. चौधरी की अदालत में हुई। सरकारी पक्ष की ओर से अधिवक्ता विजय मुंढे ने पुलिस द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों के आधार पर आरोपी के बांग्लादेशी नागरिक होने और उसके अवैध रूप से भारत में रहने का आरोप सिद्ध किया। इसके बाद अदालत ने आरोपी को 15 माह के कारावास, 1,500 रुपये जुमार्ना तथा जुमार्ना अदा न करने पर 45 दिन के साधारण कारावास की सजा सुनाई।

लीना चंदावरकर ने याद किया वह दिन जब किशोर कुमार ने एक ठुकराए हुए प्रपोजल को जीवनभर की प्रेम कहानी में बदल दिया

मुंबई/पटना। इंडियन आइडल का आगामी एपिसोड हिंदी सिनेमा के सुनहरे दौर की खूबसूरत यादें ताजा करने के लिए तैयार है, क्योंकि दिग्गज अभिनेत्री लीना चंदावरकर अपने बेटे सुमित कुमार के साथ मंच पर नजर आएंगी। एक दिली बातचीत के दौरान, उन्होंने महान किशोर कुमार के साथ अपने सफर को याद किया और उनकी शादी के अप्रत्याशित प्रपोजल और उन्होंने उनके परिवार की मंजूरी कैसे हासिल की, इसकी एक मजेदार कहानी साझा की।

जब शो के होस्ट आदित्य नारायण ने लीना से पूछा, लीना जी कोई ऐसी बात जो आपको या किशोर दा को कही गई हो? जिस पर उन्होंने कहा, बातें तो बहुत हैं, पहली बार जब मिले कैसे मिले, मैं अकेली थी घर में, तो पापा कहीं गए थे मेरे तो बेल बजी, मैंने खोला तो देखा अब्दुल उनका ड्राइवर, तो मैंने पहचाना, मैंने कहा कौन तो बोले, मैं अब्दुल हूँ मुझे किशोर दा ने भेजा है, और यह नंबर है उन्होंने कहा है आप इसपे फोन करें', तो मैं ऐसे देखती रह गई, फिर मैंने बोला कि किशोर दा मैं तो उनकी फैन थी ही बहुत शुरू से, तो मैंने आहिस्ता से डरते-डरते फोन लगाया, उन्होंने उठाया और बोला, बोलो लीना, मैंने हेलो भी नहीं बोला, तो मैंने बोला आपको कैसे मालूम पड़ा? कहानी को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने कहा, तो बोले हाँ मुझे सब पता चलता है, तो बोलो कैसे हो, मैंने कहा ठीक हूँ, तो बोले मैं बहुत खुश हूँ कि अभी मेरे पास सब्जेक्ट है, मुझे एक मासूम लड़की की जरूरत है उसमें, तो तुम मिल सकती हो स्टोरी सुन लेना।

वाग्धारा सम्मान समारोह में राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल के हाथों आचार्य पवन त्रिपाठी समेत 14 विभूतियां सम्मानित

मुंबई (उत्तरशक्ति)। साहित्य, संस्कृति और सामाजिक चेतना के संवर्धन में पिछले चार दशकों से कार्यरत अग्रणी संस्था 'वाग्धारा' और प्रतिष्ठित राष्ट्रीय समाचार नेटवर्क 'भारत एक्सप्रेस' के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को अंधेरी (वेस्ट) स्थित मुक्ति ऑडिटोरियम में वाग्धारा सम्मान समारोह 2026 का ऐतिहासिक व भव्य आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस गरिमामयी समारोह के मुख्य अतिथि तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल थे, जिन्होंने देश भर से चुनकर आईं 14 अद्वितीय प्रतिभाओं को अपने कर-कमलों से सम्मानित किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में 'भारत एक्सप्रेस' के सीएमडी और एडिटर-इन-चीफ उपेंद्र राय मंच पर उपस्थित रहे। राजभवन के उच्चतम प्रोटोकॉल के अनुसार तैयार किए गए मंच पर मुख्य अतिथि राज्यपाल महोदय के साथ विशिष्ट अतिथि उपेंद्र राय, वाग्धारा के अध्यक्ष डॉ. वागीश सारस्वत, कार्यकारी अध्यक्ष श्रीमती दुर्गेश्वरी सिंह 'महक', सिद्धिविनायक ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष आचार्य पवन त्रिपाठी, चयन समिति के अध्यक्ष श्री जयंत देशमुख और प्रस्तावक समिति के अध्यक्ष अरविंद शर्मा राही उपस्थित रहे। कार्यक्रम का अत्यंत सफल और मंत्रमुग्ध कर देने वाला सूत्र संचालन अरविन्द शर्मा राही और रवि यादव द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने वाग्धारा एनजीओ के कार्यों की मुक्त कंठ से सराहना की और कहा कि वाग्धारा संस्था पिछले 40 वर्षों से साहित्य, कला और समाज सेवा के क्षेत्र में जो अलख जगा रही

है, वह वास्तव में अत्यंत सराहनीय और अनुकरणीय है। अपने आशीर्वचन और व्याख्यान में राज्यपाल महोदय ने वर्तमान परिदृश्य पर गहराई से प्रकाश डालते हुए कहा कि आज के दौर में समाज सेवा, पत्रकारिता, सिनेमा, रंगमंच, विज्ञान और शिक्षा जैसे विभिन्न महत्वपूर्ण क्षेत्रों में निस्वार्थ भाव से काम करने वाले सच्चे और अच्छे लोगों को ढूंढना बेहद कठिन और चुनौतीपूर्ण कार्य हो गया है। ऐसे समय में वाग्धारा और भारत एक्सप्रेस ने देश के कोने-कोने से ऐसी वास्तविक प्रतिभाओं को खोज निकाला है, जिन्होंने समाज को आगे बढ़ाने में अपना जीवन लगा दिया। राज्यपाल महोदय ने जोर देकर कहा कि ग्रामीण स्तर पर बदलाव लाने वाले जमीनी कार्यकताओं से लेकर राष्ट्रीय स्तर के शीर्ष दिग्गजों तक–भारत के अलग-अलग राज्यों और दूरदराज के क्षेत्रों से आने वाली इन अनमोल प्रतिभाओं को एक मंच पर लाकर सम्मानित करना स्वयं को गौरवान्वित करने जैसा है। समारोह के इस गौरवशाली 10वें संस्करण में कृषि क्षेत्र में क्रांतिकारी व उत्कृष्ट योगदान देने के लिए बस्तर के डॉ. राजाराम त्रिपाठी को सर्वोच्च 'वाग्धारा जीवन गौरव सम्मान 2026' से नवाजा गया। इसके साथ ही, भारतीय सिनेमा और अभिनय जगत के शीर्ष स्तंभ वरिष्ठ अभिनेता रजा मुराद और हिंदी व मराठी रंगमंच व फिल्मों के अत्यंत लोकप्रिय अभिनेता सचिन खेड़ेकर को 'वाग्धारा नवरत्न सम्मान' से विभूषित किया गया। ज्योतिष विज्ञान व संस्कृत के प्रकांड विद्वान और सिद्धिविनायक मंदिर ट्रस्ट (मुंबई) के कोषाध्यक्ष आचार्य पवन त्रिपाठी को इस वर्ष का 'डॉ. शंकरलाल सारस्वत स्मृति वाग्धारा सम्मान' प्रदान किया गया। वहीं पश्चिम रेलवे के सीपीआरओ श्री विनीत अभिषेक को 'नेत्रपाल सिंह स्मृति रेल सेवा सम्मान' और सुश्री नीता बाजपेई को 'संध्या पांडेय स्मृति वाग्धारा सम्मान' दिया गया। इनके अतिरिक्त, अपने-अपने क्षेत्रों में देश का नाम रोशन करने वाली विभूतियों में शिक्षा के लिए डॉ. सदानंद भोसले (पुणे), निष्पक्ष पत्रकारिता के लिए श्री मृत्युंजय बोस (वसई, महाराष्ट्र), भाषा सेतु हेतु डॉ. नामदेव गौडा (बीजापुर, कर्नाटक), लोककला के लिए श्री शिवपूजन शुक्ल (गोंडा), निस्वार्थ समाज सेवा के लिए डॉ.आलोक सोनी (दतिया, मध्य प्रदेश), मानव कल्याण व न्याय के लिए श्रीमती स्वाति चौहान (पूर्व न्यायाधीश, फैमिली कोर्ट मुंबई) तथा संगीत साधना के लिए डॉ. स्मृति त्रिपाठी (दिल्ली) को 'वाग्धारा नवरत्न सम्मान 2026' प्रदान किया गया।

किआ इंडिया ने ओनरशिप सर्विस कैंप 2026 पेश किया

मुंबई। अपने ग्राहकों को गाड़ी का एक शानदार और फायदेमंद मालिकाना अनुभव देने की प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए, किआ इंडिया ने आज किआ ओनरशिप सर्विस कैंप 2026 की घोषणा की है। यह सर्विस कैंप 3 जुलाई से 12 जुलाई 2026 तक चलेगा। ग्राहकों को उनके घर के पास बेहतरीन आफ्टर-सेल्स सपोर्ट, गाड़ी की पूरी देखभाल और खास फायदे देने के लिए इस अभियान को देश के 365 शहरों में फैले 521 किआ अधिकृत सर्विस वर्कशॉप पर चलाया जा रहा है।इस कैंप के दौरान किआ इंडिया अपने ग्राहकों को कई तरह के शानदार फायदे और छूट दे रही है, जैसे कि कार केयर सर्विसेज पर 20% की छूट, एक्सटेंडेड वारंटी पैकेज पर 10% तक की छूट, रिटेल रोडसाइड असिस्टेंस प्लान पर 10% की छूट, स्पेयर पार्ट्स और लेबर चार्ज पर 10% की छूट, किआ जेन्युइन एक्सेसरीज पर 10% की छूट शामिल है। इन ऑफर्स को इस तरह तैयार किया गया है ताकि ग्राहकों को किआ के आधिकारिक सर्विस नेटवर्क के जरिए कम खर्च में, बेहतर सुरक्षा और सुविधा के साथ उनकी गाड़ियों की सर्विस और मेंटेनेंस मिल सके।इस पहल पर बात करते हुए, किआ इंडिया के कस्टमर एक्सपीरियंस के वाइस प्रेसिडेंट, श्री भीमसेन गुलाबानी ने कहा, ₹किआ ओनरशिप सर्विस कैंप 2026 हमारे ग्राहकों को कार चलाने और उसे रखने का एक आसान और शानदार अनुभव देने की हमारी प्रतिबद्धता दशार्ता है। इस देशव्यापी अभियान के जरिए हमारा मकसद सिर्फ आपकी गाड़ी को बिलकुल ठीक रखना ही नहीं है।

डॉक्टर्स डे पर दान की गई 97 यूनिट रक्त से 9 वर्षीय मासूम को मिली नई जिंदगी

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। डॉक्टर्स डे के अवसर पर 1 जुलाई को टीमा, पालघर तहसील मेडिकल प्रैक्टिशनर्स एसोसिएशन और रोटरी क्लब ऑफ बोईसर-तारापुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित रक्तदान शिविर में एकत्रित 97 यूनिट रक्त ने एक 9 वर्षीय मासूम बच्ची की जान बचाकर रक्तदान के महत्व को सार्थक कर दिया।

रोटरी क्लब ऑफ बोईसर-तारापुर के पूर्व अध्यक्ष एवं चिकित्सक डॉ. पराग कुलकर्णी ने बताया कि रक्तदान शिविर में संग्रहित रक्त की बदौलत फैनकोनी एनीमिया एवं थैलेसीमिया जैसी गंभीर बीमारियों से पीड़ित 9 वर्षीय सनन्या मारवत मारले को समय पर रक्त उपलब्ध कराया गया, जिससे उसकी जान बच सकी। जानकारी के अनुसार सनन्या का उपचार डॉ. राजेंद्र चव्हाण के महाराष्ट्र ब्लड स्टोरेज सेंटर स्थित रोटरी थैलेसीमिया सेंटर में चल रहा है। 1 जुलाई को वह अत्यंत गंभीर स्थिति में अस्पताल पहुंची थी।

उसके मसूड़ों से लगातार रक्तस्राव हो रहा था। जांच में हीमोग्लोबिन मात्र 2.8 ग्राम, प्लेटलेट्स 16 हजार और श्वेत रक्त कणिकाएं 1800 पाई गईं। नर्सें बैठ जाने के कारण उसे लाइन लगाना भी चुनौतीपूर्ण था, जिसे वरिष्ठ शिशु रोग विशेषज्ञ की सहायता से सफलतापूर्वक स्थापित किया गया। इसके बाद रक्तदान शिविर से उपलब्ध 'ड' पॉजिटिव PCV की दो यूनिट तथा RDP प्लेटलेट्स की दो यूनिट तत्काल चढ़ाई गईं। समय पर मिले उपचार व रक्त की उपलब्धता से बच्ची की हालत में तेजी से सुधार हुआ और कुछ समय बाद वह स्वस्थ होकर अपने घर लौट गई।

चिकित्सकों ने बताया कि फैनकोनी एनीमिया एक दुर्लभ आनुवंशिक बीमारी है, जिसमें अस्थि मज्जा पर्याप्त रक्त कोशिकाएं नहीं बना पाती। ऐसे मरीजों को समय-समय पर रक्त और प्लेटलेट्स चढ़ाने की आवश्यकता पड़ती है। ऐसे में स्वैच्छिक रक्तदान उनके लिए जीवनरेखा साबित होता है। इस प्रेरणादायक घटना ने एक बार फिर साबित कर दिया कि रक्तदान केवल एक सामाजिक दायित्व नहीं, बल्कि किसी जरूरतमंद के लिए जीवनदान है। इस अवसर पर टीमा, एम.पी.ए., रोटरी क्लब ऑफ बोईसर-तारापुर, सभी रक्तदाताओं, चिकित्सकों व स्वास्थ्यकर्मियों के योगदान की सराहना की गई।

संजीव उपाध्याय को मुंबई राकांपा शरद चंद्र पवार पार्टी का दोबारा मुंबई उपाध्यक्ष गया

मुंबई (उत्तरशक्ति)। राकांपा (शरद चंद्र पवार) पार्टी की राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष सुप्रियाताई सुळे, प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटिल व मौजूदा प्रांत अध्यक्ष शशिकांत शिंदे के आदेश और मुंबई प्रदेश अध्यक्ष पूर्व विधायक मिलिंद (अन्ना) कांबले के मार्गदर्शन में मुंबई प्रदेश की कार्यकारिणी की घोषणा की गई है। इस कार्यकारिणी में संजीव उपाध्याय को फिर से मुंबई प्रदेश का उपाध्यक्ष बनाया गया है। बता दें कि संजीव उपाध्याय पहले भी पार्टी संगठन में अच्छे से काम कर चुके हैं और मुंबई प्रदेश में पार्टी को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा चुके है। उनके काम को देखते हुए पार्टी नेतृत्व ने एक बार फिर उन पर भरोसा दिखाया है और उन्हें यह ज़िम्मेदारी सौंपी है। उपाध्याय की दोबारा नियुक्ति संगठन को और मजबूत करने, पार्टी के लक्ष्यों और नीतियों को आम आदमी तक पहुंचाने के उद्देश्य से की गई है। संजीव उपाध्याय की दोबारा नियुक्ति से कार्यकताओं और उत्तर भारतीय समाज में खुशी व्याप्त है। उपाध्याय की इस दोबारा नियुक्ति पर राकांपा पदाधिकारियों और कार्यकताओं यूसुफ पटेल, विजय शर्मा, नीलेश केवले, संजय पवार, वसंत फुलारे, धनाजी जाधव, अमिता म्हात्रे, समीर काजी आदि ने संजीव उपाध्याय को बधाई दी। सभी ने विश्वास जताया कि उनकी दोबारा नियुक्ति से मुंबई प्रदेश में पार्टी संगठन और मजबूत होगा, और उनके आगामी भविष्य के राजनीतिक और संगठनात्मक सफर के लिए शुभकामनाएं दीं।

संदीप तिवारी को मिली मीरा भायंदर शिवसेना उत्तर भारतीय जिला प्रमुख की कमान

भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर शहर में उत्तर भारतीय समाज का युवा चेहरा कहे जाने वाले संदीप तिवारी को अंततः शिवसेना ने एक बड़ी जिम्मेदारी दे दी। महाराष्ट्र के कैबिनेट मंत्री तथा मीरा भायंदर संपर्क प्रमुख प्रताप सरनाईक ने उन्हें उत्तर भारतीय जिला प्रमुख की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी। संदीप तिवारी को दिए गए नियुक्ति पत्र में प्रताप सरनाईक ने आशा व्यक्त की है कि संदीप तिवारी पार्टी संगठन को मजबूत करने और उत्तर भारतीय समाज को पार्टी की विचारधारा से जोड़ने का समर्पित भावना के साथ कार्य करेंगे। इस अवसर पर विधानसभा चुनाव प्रमुख विक्रम प्रताप सिंह, जिला अध्यक्ष राजू भोईर, संजय मांजरेकर, ठाकुर नवीन सिंह,पूर्व नगरसेवक विजय राय, डॉ अजय तिवारी एडवोकेट कुंवर पांडे, अभिनव त्रिपाठी, विद्या शंकर चतुर्वेदी, गुड्डू तिवारी, राजेश यादव, पवन घरत, आस्तिक म्हात्रे, नितेश कुमार, प्रवीण सिंह, अजय सिंह, आकाश तिवारी, डॉ अखिलेश मिश्रा, दिनेश तिवारी, सपना त्रिपाठी, पूजा पांडे, डॉली सिंह, उषा मिश्रा समेत अनेक लोग उपस्थित रहे। संदीप तिवारी ने कहा कि वे दी गई जिम्मेदारी का निर्वहन पूरे मनोयोग और समर्पित भावना के साथ करेंगे। ज्ञातव्य हो कि संदीप तिवारी का परिवार राजनीतिक पृष्ठभूमि से जुड़ा हुआ है। उनके चाचा रविंद्र नाथ तिवारी भदोही से भाजपा के पूर्व विधायक है तो दूसरे चाचा अनिरुद्ध त्रिपाठी भदोही जिला पंचायत अध्यक्ष हैं। छोटे भाई सचिन त्रिपाठी ब्लॉक प्रमुख तो बड़े भाई चंद्रभूषण त्रिपाठी जिला पंचायत सदस्य हैं। ऐसे में संदीप त्रिपाठी को उत्तर भारतीय जिला प्रमुख की कमान देने से शिवसेना की ताकत बढ़नी तय मानी जा रही है।

भारी बारिश के कारण कुर्ला पूर्व के क्रांति नगर के निवासियों का जनजीवन नारकीय बना

मुंबई (उत्तरशक्ति)। पिछले तीन दिनों से मुंबई थाने और, पालघर में हो रही भारी बरसात के कारण निचले इलाकों में बड़े पैमाने पर जलजमाव हो गया है। जगह जगह हुए जलजमाव ने एक बार फिर मनपा के दावों की पोल खोल दी है। वहीं मुंबई के पूर्वी उपनगर स्थित कुर्ला पूर्व के लोकमान्य तिलक टर्मिनस के समीप रेलवे कॉलोनी और पास की क्रांति नगर नगर झोपड़पट्टी में बरसात का पानी भर जाने से निवासियों का बुरा हाल हो गया है। यही नहीं क्रांति नगर झोपड़पट्टी के घरों में दो - दो फीट पानी भरने से नागरिक खाना पीना भी नहीं बना पा रहे हैं। उसके बाद भी मनपा या रेल प्रशासन यहां की समस्या को गंभीरता से नहीं ले रहा है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कुर्ला पूर्व के लोकमान्य तिलक टर्मिनस के समीप रेलवे कॉलोनी और क्रांति नगर झोपड़पट्टी

पिछले तीन दिनों से हो रही भारी बरसात के कारण जलमग्न हो गई है। यहां के घरों में दो - दो फीट पानी भरने से नागरिक खाना भी नहीं बना पा रहे हैं। क्रांति नगर में रहने एक वरिष्ठ पत्रकार ने बताया कि पिछले 45 साल से यहां की झोपड़पट्टियों में बरसात का पानी भर रहा है। उसके बाद भी उपायोजना शून्य है। वहीं मनसे कुर्ला विभाग अध्यक्ष प्रदीप वाघमारे ने कुर्ला रेलवे कॉलोनी और क्रांति नगर झोपड़पट्टी में घर घर जाकर नागरिकों से संपर्क किया। मनसे विभाग अध्यक्ष प्रदीप वाघमारे ने स्वयं कुर्ला रेलवे कॉलोनी की सड़कों पर हुए जलजमाव के बीच पानी में उतरकर बाढ़ का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि टर्मिनस पर जाने वाले यात्रियों को पानी के अंदर से होकर जाना पड़ रहा है। जिसके कारण टर्मिनस पर आने जाने वालों को यात्रियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। वाघमारे ने क्रांति नगर में बरसात के पानी के निकासी के लिए मोटर पंप बिठाने की मांग की है।

भाजपा उ.भा.मो. पालघर के जिला सचिव बने पवन उपाध्याय

कुडूस में सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने थामा भाजपा का दामन

पालघर (उत्तरशक्ति)। भारतीय जनता पार्टी के कुडूस मंडल द्वारा आयोजित भव्य कार्यकर्ता सम्मेलन एवं पक्ष प्रवेश समारोह में संगठन विस्तार को नई गति देते हुए राष्ट्रीय हिंदू सेवा संघ, महाराष्ट्र प्रदेश के मीडिया प्रभारी व प्रवक्ता पवन उपाध्याय को भाजपा उत्तर भारतीय मोर्चा, पालघर जिला सचिव नियुक्त किया गया।

समारोह में विभिन्न दलों से जुड़े कार्यकर्ताओं ने भारतीय जनता पार्टी की नीतियों और नेतृत्व में विश्वास व्यक्त करते हुए पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। वरिष्ठ नेताओं ने सभी नए सदस्यों का पार्टी का पट्टा पहनाकर स्वागत किया तथा बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत बनाने का आह्वान किया। पवन उपाध्याय को नियुक्ति पत्र भाजपा पालघर जिला अध्यक्ष भरतभाई राजपूत, पालघर के सांसद डॉ. हेमंत विष्णु सांवरा, भाजपा उत्तर भारतीय मोर्चा पालघर जिला अध्यक्ष आर. बी. सिंह तथा जिला महासचिव तुषार साबू की गरिमामयी उपस्थिति में प्रदान किया गया। उत्तर भारतीय मोर्चा के जिला अध्यक्ष आर. बी. सिंह द्वारा जारी नियुक्ति पत्र में विश्वास व्यक्त किया

गया कि पवन उपाध्याय के संगठनात्मक अनुभव व सामाजिक सक्रियता से पालघर जिले में भाजपा उत्तर भारतीय मोर्चा को नई मजबूती मिलेगी। नई जिम्मेदारी मिलने पर पवन उपाध्याय ने भाजपा नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकास कार्यों, अंत्योदय की भावना और केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करेंगे। उन्होंने संगठन के विस्तार और कार्यकताओं को साथ लेकर जिले में भाजपा को और अधिक मजबूत बनाने का संकल्प भी दोहराया। कार्यक्रम में पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने पवन उपाध्याय को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं देते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की।

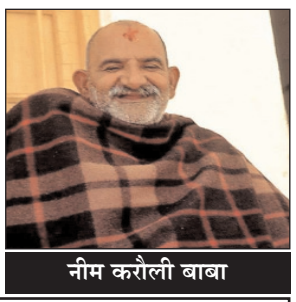

नीम करौली बाबा

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

भाजपा नेता के संपर्क में आई महिला दो वर्षों से लापता, मामला सामने आने पर दर्ज हुई गुमशुदगी

रेणुकूट, सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। रेणुकूट की चर्चित महिला शिवानी जैन के दो वर्षों से लापता होने का मामला अब पुलिस रिकॉर्ड में दर्ज हो गया है। सोशल मीडिया पर मामला चर्चा में आने और पुलिस अधीक्षक के संज्ञान लेने के बाद पिपरी पुलिस ने 26 मई को गुमशुदगी दर्ज कर जांच शुरू की है।

बताया जा रहा है कि वर्ष 2023 में शिवानी जैन रेणुकूट आई थीं। कम समय में उन्होंने स्थानीय नेताओं, अधिकारियों और समाज के विभिन्न लोगों से संपर्क बना लिया था। वे सामाजिक और सार्वजनिक कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से दिखाई देती थीं। परिचित लोगों के बीच उनकी पहचान एक मिलनसार और खुशमिजाज महिला के रूप में थी।

कुछ समय बाद शिवानी अचानक लापता हो गईं। उस समय न तो उनकी गुमशुदगी दर्ज कराई गई और न ही मामले में कोई सार्वजनिक जानकारी सामने आई। यह मामला केवल स्थानीय स्तर पर चचाओं तक सीमित रहा।

हाल ही में सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जवाब में खुद को शिवानी जैन की बहन बताने वाली महिला ने आरोप लगाया कि उनकी बहन की हत्या कर दी गई है और परिवार पिछले दो वर्षों से उनकी तलाश कर रहा है। उन्होंने यह भी दावा किया कि शिवानी का मोबाइल फोन सीपी जैन के घर से मिला था। हालांकि, इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि पुलिस द्वारा नहीं की गई है।

सोशल मीडिया पर मामला वायरल होने और पुलिस अधीक्षक से शिकायत किए जाने के बाद पिपरी पुलिस ने प्रारंभिक पूछताछ की। पुलिस के अनुसार, सीपी जैन ने पूछताछ में पहले बताया कि उनकी मुलाकात शिवानी जैन से फेसबुक और दिल्ली जाने के दौरान ट्रेन में हुई थी, जिसके बाद वह लगभग सात-आठ महीने तक उनके घर एक मित्र के रूप में रहीं और फिर दिल्ली चली गईं। बाद में दिए गए एक अन्य बयान में उन्होंने कहा कि शिवानी से उनकी मुलाकात एक राजनीतिक कार्यक्रम में हुई थी और वहीं से उनका परिचय हुआ। अब गुमशुदगी दर्ज होने के बाद पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। शिवानी जैन के लापता होने के पीछे की वास्तविक परिस्थितियों का खुलासा जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगा। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच में जुटी है।

चार पहिया वाहन की टक्कर में चाचा की मौत, भतीजा गंभीर रूप से घायल

रियाजुल हक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लाइन बाजार थाना क्षेत्र के चौकीपुर शीतला चौकिया निवासी जिला सोनकर (48 वर्ष) पुत्र स्व. बाबूलाल और उनके भतीजे नरेश सोनकर (29 वर्ष) पुत्र लालता सोनकर शनिवार शाम बाइक से चंदवक क्षेत्र में एक रिश्तेदारी में जा रहे थे। जैसे ही दोनों चंदवक थाना क्षेत्र के मुढ़ेना बड़उ बाबा मजार के पास पहुंचे, तभी सामने से आ रही एक चार पहिया वाहन ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों को 108 एंबुलेंस द्वारा जिला अस्पताल भेजा गया, जहां डॉक्टरों ने जिला सोनकर को मृत घोषित कर दिया। वहीं भतीजा नरेश सोनकर का इलाज जिला अस्पताल में जारी है, जहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और वाहन सहित चालक को हिरासत में ले लिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। हादसे की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया और पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई।

रामपुर थाना परिसर में युवक की रील वायरल, पुलिस व्यवस्था पर उठे सवाल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद के रामपुर थाना परिसर में एक युवक द्वारा रील बनाकर उसे सोशल मीडिया पर वायरल किए जाने का मामला चर्चा का विषय बना हुआ है। वायरल वीडियो में युवक कथित तौर पर दबंग अंदाज में थाना परिसर के भीतर रील बनाता नजर आ रहा है।

जानकारी के अनुसार, वायरल वीडियो में दिखाई देने वाले युवक की पहचान मनीष यादव पुत्र अनिल यादव, निवासी मुंसईपुर, थाना रामपुर के रूप में बताई जा रही है। हालांकि, इस पहचान की आधिकारिक पुष्टि पुलिस की ओर से नहीं की गई है। वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद स्थानीय लोगों के बीच तरह-तरह की चचाएं शुरू हो गई हैं। लोग सवाल उठा रहे हैं कि थाना परिसर जैसे संवेदनशील स्थान पर इस प्रकार की रील कैसे बनाई गई और सुरक्षा व्यवस्था के बीच इसकी अनुमति कैसे मिली।

फिलहाल इस मामले में पुलिस की ओर से कोई आधिकारिक बयान या कार्रवाई की पुष्टि नहीं हुई है। यदि वीडियो की सत्यता की पुष्टि होती है, तो यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि संबंधित युवक के खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई की जाती है या नहीं।

नोट: यह खबर सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो के आधार पर तैयार की गई है। वीडियो की सत्यता एवं उसमें किए जा रहे दावों की स्वतंत्र पुष्टि शेष है।

फरार आरोपी के घर पुलिस की मुनादी, कोर्ट के आदेश पर चस्पा किया उद्घोषणा नोटिस

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद के सिकरारा थाना क्षेत्र में फरार चल रहे

एक वांछित आरोपी के खिलाफ पुलिस ने न्यायालय के आदेश का पालन करते हुए उद्घोषणा की कार्रवाई की। एसीजेएम-2 जौनपुर के आदेश पर पुलिस ने आरोपी के घर और सार्वजनिक स्थानों पर धारा 84 बीएनएसएस के तहत उद्घोषणा नोटिस चस्पा कर विधिवत मुनादी कराई।

पुलिस के अनुसार मुकदमा संख्या 183/2026, धारा 109(1) एवं 61(2) बीएनएस में वांछित विकेश मिश्रा उर्फ बमबम मिश्रा, निवासी ग्राम सैदपुर, थाना सिकरारा, लंबे समय से फरार चल रहा है। न्यायालय द्वारा उसे हाजिर होने के लिए उद्घोषणा नोटिस जारी किया गया था।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना सिकरारा पुलिस टीम ने आरोपी के निवास स्थान सहित सार्वजनिक स्थलों पर नोटिस चस्पा किया और मुनादी कराकर लोगों को न्यायालय के आदेश से अवगत कराया। पुलिस ने बताया कि नियमानुसार सभी वैधानिक प्रक्रियाएं पूरी कर ली गई हैं। इस कार्रवाई में उपनिरीक्षक राम नेवास सहित थाना सिकरारा के कई पुलिसकर्मी शामिल रहे। पुलिस ने स्पष्ट किया कि निर्धारित समय में आरोपी के न्यायालय में उपस्थित न होने पर उसके विरुद्ध आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

वारंटियों पर पुलिस का शिकंजा, 28 थानों की कार्रवाई में 121 गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद में कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने और अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण के उद्देश्य से वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह के निर्देशन में चलाए गए विशेष अभियान के तहत जौनपुर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 121 वारंटी अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस द्वारा जनपद के 28 थानों में एक साथ अभियान चलाकर लंबे समय से फरार और वांछित वारंटियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित की गई। इस अभियान में कोतवाली, लाइन बाजार, शाहगंज, खेतासराय, खुटहन, केराकत, बदलापुर, मछलीशहर, मड़ियाहूं, रामपुर समेत अन्य थानों की पुलिस टीमों ने सक्रिय भूमिका निभाई। सबसे अधिक 9 वारंटी खुटहन थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किए गए, जबकि लाइन बाजार, खेतासराय, केराकत, बदलापुर और मछलीशहर थाना क्षेत्रों से 8-8 वारंटी पकड़े गए। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अपराधियों और वारंटियों के विरुद्ध यह विशेष अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा, ताकि जनपद में कानून-व्यवस्था कायम रहे और न्यायालय के आदेशों का प्रभावी अनुपालन सुनिश्चित किया जा सके।

खेलते-खेलते नदी में गिरने से 5 वर्षीय मासूम की मौत, इलाके में शोक

चन्दौली (उत्तरशक्ति)। चकिया कोतवाली क्षेत्र में रविवार को एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जहां खेलते-खेलते एक 5 वर्षीय मासूम बच्चे की नदी में गिरने से दर्दनाक मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार मटिहानी गांव निवासी सुप्रीत चौहान (5 वर्ष) अन्य बच्चों के साथ खेल रहा था, तभी अचानक वह नदी के किनारे पहुंचकर पानी में गिर गया। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंचे और पुलिस की मदद से बच्चे को नदी से बाहर निकाला गया। आनन-फानन में उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। मासूम की मौत की खबर सुनते ही परिजनों में कोहराम मच गया और पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आगे की कार्रवाई की जा रही है।

प्रदेश में असिस्टेंट प्रोफेसर के 2107 पदों पर होगी भर्ती

प्रयागराज (उत्तरशक्ति)। प्रयागराज-चुनावी साल में बेरोजगारों को असिस्टेंट प्रोफेसर के बंपर पदों पर भर्ती का मौका मिलेगा। प्रदेश के 330 अशासकीय सहायता प्राप्त महाविद्यालयों में असिस्टेंट प्रोफेसर के 2107 पदों पर भर्ती का अधियाचन मिला है। उच्च शिक्षा निदेशालय ने विभिन्न महाविद्यालयों से मिली रिक्त पदों की सूचना उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग के पोर्टल पर अपलोड कर दी है। इन पदों का विज्ञापन इसी महीने जारी होने की उम्मीद है। पूर्व में जब उच्च शिक्षा निदेशालय ने महाविद्यालयों से रिक्त पदों का ब्योरा मांगा तो लगभग 1150 पद मिलने का अनुमान था। हालांकि हाल के दिनों में उच्च शिक्षा निदेशालय के स्तर से सख्ती बढ़ने के बाद महाविद्यालयों के प्रबंधकों ने और तकरीबन दो गुना रिक्त पदों का अधियाचन भेजा है।

झोले में मिला महिला का क्षत-विक्षत शव, इलाके में सनसनी

दोनों हाथ और कमर के नीचे का हिस्सा अलग, पहचान में जुटी पुलिस

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद के मड़ियाहूं थाना क्षेत्र के रानीपुर चौराहे के पास रविवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई, जब एक झोले में अज्ञात महिला का क्षत-विक्षत शव मिलने की सूचना मिली। घटना की खबर फैलते ही मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जुट गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, झोले में महिला के शव का ऊपरी हिस्सा मिला है, जबकि दोनों हाथ और कमर के नीचे का हिस्सा अलग किया गया था। शव की हालत देखकर आशंका जताई जा रही है कि हत्या के बाद शव के टुकड़े कर उसे ठिकाने लगाने की कोशिश की गई है।

सूचना मिलते ही मड़ियाहूं थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। पुलिस आसपास के क्षेत्र में साक्ष्य जुटाने के साथ महिला की पहचान कराने का प्रयास कर रही है। घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की भी जांच की जा रही है।

फिलहाल महिला की शिनाख्त नहीं हो सकी है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। घटना के पीछे के कारणों और आरोपियों की तलाश के लिए विभिन्न पहलुओं पर जांच जारी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए सभी संभावित पहलुओं पर जांच की जा रही है। महिला की पहचान होने के बाद घटना के कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा।

नोट: यह समाचार प्रारंभिक जानकारी पर आधारित है। पुलिस जांच पूरी होने के बाद तथ्य बदल सकते हैं।

विकसित किसान ही विकसित उत्तर प्रदेश की नींव, 2027 में किसानों को मिलेगी सर्वोच्च प्राथमिकता: मोहम्मद अरशद खान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव, जौनपुर सदर के पूर्व विधायक एवं भारत किसान यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहम्मद अरशद खान ने कहा है कि भारत की आत्मा गांवों में बसती है और गांवों की असली ताकत किसान हैं। यदि किसान समृद्ध होगा तो उत्तर प्रदेश और देश दोनों विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचेंगे।

रविवार को पीडीए भवन, कटघरा से जारी प्रेस विज्ञप्ति में उन्होंने कहा कि आजादी के बाद कृषि क्षेत्र में हरित क्रांति, सिंचाई सुविधाओं, उन्नत बीजों और आधुनिक तकनीकों के कारण उल्लेखनीय प्रगति हुई है, लेकिन आज भी किसान बढ़ती लागत, महंगे बीज और उर्वरक, डीजल-बिजली की महंगाई, जलवायु परिवर्तन, बाढ़, सूखा, ओलावृष्टि, फसलों के उचित मूल्य का अभाव, कमजोर मंडी व्यवस्था, भंडारण सुविधाओं की कमी, आवारा पशुओं और कृषि ऋण जैसी गंभीर समस्याओं से जूझ रहा है।

उन्होंने कहा कि इन चुनौतियों का समाधान किए बिना किसानों की वास्तविक उन्नति संभव नहीं है।

समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर अखिलेश यादव के नेतृत्व में किसानों की आय बढ़ाने, फसलों का लाभकारी मूल्य सुनिश्चित करने, सिंचाई व्यवस्था को आधुनिक बनाने, कृषि आधारित उद्योगों को बढ़ावा देने, ग्रामीण क्षेत्रों में भंडारण और कोल्ड स्टोरेज नेटवर्क विकसित करने, कृषि तकनीक को गांव-गांव तक पहुंचाने तथा प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित किसानों को त्वरित सहायता उपलब्ध कराने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएंगे।

अरशद खान ने कहा कि समाजवादी सरकार किसानों को केवल सहायता नहीं, बल्कि सम्मान, सुरक्षा और समृद्धि देने के लिए प्रतिबद्ध रहेगी। कृषि को लाभकारी बनाकर युवाओं को खेती से जोड़ने और कृषि आधारित रोजगार के नए अवसर सृजित करने का भी प्रयास किया जाएगा।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि ₹विकसित किसान ही विकसित उत्तर प्रदेश की सबसे मजबूत नींव है।₹ उन्होंने कहा कि वर्ष 2027 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर किसानों के हित सर्वोच्च प्राथमिकता होंगे और उत्तर प्रदेश को कृषि एवं ग्रामीण विकास के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनाने का संकल्प पूरा किया जाएगा।

कांग्रेस केराकत नगर उपाध्यक्ष खुर्शीद आलम खाँन के निधन पर जिला पदाधिकारियों ने दी श्रद्धांजलि

जिला उपाध्यक्ष डाक्टर सन्तोष कुमार गिरी के नेतृत्व में उनके नरहन स्थित आवास पर पहुँच कर दी गयी सात्वना

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कांग्रेस केराकत नगर उपाध्यक्ष खुर्शीद आलम खाँन के निधन की सूचना मिलने पर कांग्रेस पार्टी के जिले के पदाधिकारियों ने उनके आवास नरहन पहुंच कर गहरा दुख व्यक्त किया!

जिला उपाध्यक्ष कांग्रेस कमेटी जौनपुर, एवं प्रभारी केराकत, जफराबाद डाक्टर सन्तोष कुमार गिरी नें सात्वना देते हुए उन्होंने कहा कि खुर्शीद आलम नेंक व पार्टी के प्रति वफादार और समर्पित रहें। जिनका सहयोग हमे सदैव मिलता रहा। आज बडे.ही दुख की बात है कि खुर्शीद हम लोगों के बीच में नहीं रहे ईश्वर उनकी आत्मा को शान्ति प्रदान करें और उन्हें जन्नतुल फिरदौश मे मुकाम अता फरमा। बता दें कि खुर्शीद का

इलाज वाराणसी के एक हास्पिटल मे भर्ती किया गया था और वहीं पर उनका इलाज ब्रेनटुमर का चल रहा था कि तीन जुलाई को हास्पिटल मेही उनका आकस्मिक निधन हो गया। वहीं पर उन्होंने अन्ति सांस ली। जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों ने इस दुख की घड़ी में पूरे परिवार को साहस व सांत्वना दिया। उनके नरहन आवास पर सांत्वना देने पहुंचे जिला उपाध्यक्ष कांग्रेस कमेटी जौनपुर एवं प्रभारी केराकत, जफराबाद वरिष्ठ कांग्रेस नेता डाक्टर सन्तोष कुमार गिरी, के साथ शहरे जौनपुर से आये अजय कुमार सोनकर, पूर्व कार्यवाहक जिला अध्यक्ष जिला कांग्रेस कमेटी जौनपुर, अतीक अहमद, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष करंजाकला कांग्रेस कमेटी, आशीष यादव, जिला सचीव कांग्रेस कमेटी जौनपुर, ब्लॉक प्रभारी मुफ्तिगंज, दीपक साहू केराकत नगर महामंत्री सहित आदि लोग उपस्थित रहे।

बिना पैमाइश और एनओसी के महुअरिया पोखरा व बढ़नी नाला जलाशय पर निर्माण, तहसीलदार ने मांगी रिपोर्ट

दुद्धी, सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। दुद्धी नगर पंचायत द्वारा नगर के सुंदरीकरण और विकास कार्यों पर

करोड़ों रुपये खर्च किए जा रहे हैं, लेकिन इन कार्यों की वैधानिक प्रक्रिया को लेकर सवाल उठने लगे हैं। आरोप है कि महुअरिया पोखरा, बढ़नी नाला जलाशय समेत कई सरकारी भूमि पर बिना पैमाइश और बिना अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) के निर्माण कार्य कराया जा रहा है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि सरकारी भूमि, तालाब, जलाशय, नाला और भीठा जैसी सार्वजनिक संपत्तियों पर किसी भी प्रकार का निर्माण शुरू करने से पहले संबंधित सक्षम अधिकारी से अनुमति एवं एनओसी लेना अनिवार्य है। साथ ही भूमि की पैमाइश और सीमांकन भी कराया जाना चाहिए, ताकि सरकारी भूमि की वास्तविक सीमा स्पष्ट हो सके।

नगरवासियों का आरोप है कि महुअरिया पोखरा और बढ़नी नाला जलाशय की भूमि पर वर्षों से अतिक्रमण की शिकायतें उठती रही हैं। ऐसे में बिना सीमांकन के निर्माण कार्य कराए जाने से भविष्य में विवाद की स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

मामले में तहसीलदार अंजनी गुप्ता ने बताया कि नगर पंचायत की ओर से सरकारी भूमि पर निर्माण कार्य के लिए कोई एनओसी नहीं ली गई है। उन्होंने कहा कि मामले की जांच के लिए क्षेत्रीय लेखपाल से रिपोर्ट तलब की गई है। तहसीलदार ने स्पष्ट किया कि सरकारी भूमि पर बिना अनुमति किसी भी प्रकार का निर्माण कार्य नहीं होने दिया जाएगा। जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

गीत और कठिन योगाभ्यास से गूंजा मारवाड़ी धर्मशाला, 'करें योग, रहें निरोग' का दिया संदेश

सुशील कुमार तिवारी

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। पतंजलि योग परिवार सोनभद्र की ओर से रविवार को नगर स्थित मारवाड़ी धर्मशाला में भव्य सम्मान समारोह एवं योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में योगाभ्यास, प्रेरणादायक गीतों और कठिन योगासन के प्रदर्शन के माध्यम से लोगों को स्वस्थ जीवन के लिए नियमित योग अपनाने का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारत स्वाभिमान के राज्य प्रभारी भगवान सिंह एवं पतंजलि योग समिति उत्तर प्रदेश (पूर्व) के राज्य प्रभारी दुर्गेश योगी का अंगवस्त्र एवं पगड़ी पहनाकर भव्य स्वागत और सम्मान किया गया। साथ ही योग के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए वरिष्ठ पत्रकार राजेश पाठक सहित कई योग साधकों को भी सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ शंखनाद एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इसके बाद सामूहिक योगाभ्यास कराया गया, जिसमें योग के शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक लाभों की विस्तृत जानकारी दी गई। दयानंद मौर्य एवं पूनम ने योग जागरूकता से जुड़े गीत प्रस्तुत किए, जबकि योगी सूरज चौबे, राकेश साहनी और बाल योगी अमृत राज ने कठिन योगासन प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों की खूब सराहना बटोरी।

कार्यक्रम का आयोजन पतंजलि योग समिति के जिला प्रभारी रबि प्रकाश त्रिपाठी एवं भारत स्वाभिमान के जिला महामंत्री सुनील कुमार चौबे के नेतृत्व में किया गया। इस दौरान लखनऊ में 'योग गौरव सम्मान' प्राप्त करने पर राज्य प्रभारी दुर्गेश योगी का विशेष सम्मान किया गया।

अपने संबोधन में राज्य प्रभारी भगवान सिंह एवं दुर्गेश योगी ने योग को स्वस्थ जीवन का आधार बताते हुए कहा कि नियमित योगाभ्यास से अनेक गंभीर बीमारियों से बचाव संभव है। उन्होंने संगठन को और अधिक मजबूत बनाने तथा योग को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में जिले के विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों एवं बड़ी संख्या में योग साधकों ने भाग लिया। अंत में पतंजलि योग समिति के जिला प्रभारी रबि प्रकाश त्रिपाठी ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन योग के प्रति लोगों की जागरूकता बढ़ाने और संगठन को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शांति पाठ के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

50 हजार का इनामी पूर्व प्रधानाचार्य गिरफ्तार, 5 साल से चल रहा था फरार

विशाल सोनी

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। शाहगंज पुलिस ने बड़ी सफलता

हासिल करते हुए 50 हजार के इनामी और लंबे समय से फरार चल रहे वांछित आरोपी हृदयनारायण मिश्र को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी पर शाहगंज पब्लिक इंटर कॉलेज से जुड़े गबन, धोखाधड़ी और जालसाजी के गंभीर आरोप हैं।

पुलिस के अनुसार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह के निर्देशन में चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना शाहगंज पुलिस ने रविवार सुबह आरोपी को उसके घर से गिरफ्तार किया। आरोपी के खिलाफ वर्ष 2021 में आईपीसी की धारा 406, 409, 420, 467 व 468 के तहत मुकदमा दर्ज हुआ था। न्यायालय से गैर-जमानती वारंट और उद्घोषणा जारी होने के बावजूद वह लगातार फरार चल रहा था, जिसके चलते वाराणसी परिक्षेत्र के पुलिस उपमहानिरीक्षक ने उस पर 50 हजार का इनाम घोषित किया था।

गिरफ्तार आरोपी हृदयनारायण मिश्र, निवासी ग्राम सौदमा, थाना पवई, जनपद आजमगढ़, शाहगंज पब्लिक इंटर कॉलेज के पूर्व प्रधानाचार्य रहे हैं। पुलिस ने उन्हें विधिक प्रक्रिया पूरी करते हुए गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। इस कार्रवाई में प्रभारी निरीक्षक तेज बहादुर सिंह, उपनिरीक्षक अजय कुमार सिंह, उपनिरीक्षक ओम प्रकाश पांडेय सहित थाना शाहगंज पुलिस टीम की प्रमुख भूमिका रही।

मतदेय स्थलों का प्रस्ताव तैयार

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने जनपद में अवस्थित समस्त राजनैतिक दलों, जन प्रतिनिधियों को अवगत कराया है कि भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार जनपद में अवस्थित समस्त विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों यथा- 364-बदलापुर, 365-शाहगंज, 366-जौनपुर, 367-मल्हनी, 368-मुंगरा बादशाहपुर, 369-मछलीशहर (अ0जा0) 370-मड़ियाहू, 371-जफराबाद एवं 372-केराकत (अ0जा0) के मतदेय स्थलों का भौतिक सत्यापन कराने के उपरान्त आयोग के निदेर्शों के क्रम में मतदेय स्थलों का प्रस्ताव तैयार कर लिया गया है, जिसका आलेख्य प्रकाशन आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 04 जुलाई 2026 (शनिवार) को समस्त विधानसभा मुख्यालय/तहसील कार्यालय एवं जिला निर्वाचन कार्यालय जौनपुर में कर दिया गया है। जनपद में समस्त सम्मानित मतदाताओं, राजनैतिक दलों एवं जन प्रतिनिधियों से अपेक्षा की जाती है कि कृपया आलेख्य प्रकाशित की गयी मतदेय स्थल की सूची का भली-भांति परीक्षण कर लें तथा यदि कोई आपत्ति/सुझाव हो तो 10 जुलाई 2026 तक संबंधित तहसील कार्यालय/उप जिलाधिकारी अथवा जिला निर्वाचन कार्यालय जौनपुर में उपलब्ध करा दें, मतदेय स्थलों की सूची किसी भी कार्यालय कार्य दिवस में कार्यालय एवं सम्बन्धित उप जिलाधिकारी/तहसील कार्यालय में तथा जनपद की वेबसाइट Jaunpur.nic.in पर निरीक्षण हेतु निःशुल्क उपलब्ध है।

भारत संचार निगम लिमिटेड ने प्रारम्भ की भारत नेट उद्यमी योजना

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। प्रचालन प्रमुख भारत संचार निगम लिमिटेड जौनपुर अंकुर तिवारी ने बताया कि भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) द्वारा बेरोजगारों को स्वरोजगार से जोड़ने के उद्?देश्य से भारत नेट उद्यमी योजना का सुभारम्भ किया गया है। योजना के तहत इच्छुक व्यक्ति कम पूंजी लगाकर अपना व्यवसाय शुरू कर सकते हैं। योजना के शुरूआती चरण में लगभग डेढ़ लाख रुपये के न्यूनतम निवेश की आवश्यकता होगी। बीएसएनएल से जुड़ने के बाद उद्यमियों को ग्रामीण क्षेत्रों में ब्राडबैंड सेवाओं से उपभोक्ताओं को जोड़ने का कार्य करना होगा। इसक लिए विभाग की ओर से आकर्षक भुगतान की व्यवस्थाकी गई है। श्री तिवारी ने बताया कि भारत नेट उद्यमी योजना का मुख्य उद्?देश्य युवाओं को उनके गृह जनपद में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है, ताकि वे आसानी से अपनी आजीविका का संचालन कर सकें। साथ ही साथ ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं का शहरों की ओर पलायन कम हो सके। सुल्तानपुर व्यापार क्षेत्र के प्रधान महाप्रबन्धक रमाशंकर राम ने इस योजना को युवाओं के लिए स्वरोजगार का सुनहरा अवसर बताया। योजना के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी प्राप्त करने के लिए इच्छुक युवक बीएसएनएल कार्यालय जौनपुर में कार्यरत अवर दूर संचार अधिकारी अनिल कुमार से उक्त मोवाइल नंबर पर 9453105033 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

स्कूली बसों के प्रपत्र ठीक कराये वर्ना होगी कड़ी कार्रवाई-जिलाधिकारी

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी श्री सैमुअल पॉल एन. की अध्यक्षता में 'जिला विद्यालय यान परिवहन सुरक्षा समिति' की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुई। जिसमें समिति के सदस्यों के साथ-साथ जनपद विभिन्न स्कूलों के प्रबन्धक/प्रधानाचार्य द्वारा प्रतिभाग किया गया। बैठक में शासन द्वारा विकसित 'स्कूल वाहन निगरानी पोर्टल पर दर्ज वाहनों के प्रपत्रों पर विस्तृत चर्चा की गयी। उक्त पोर्टल विद्यालय परिवहन प्रणाली की निगरानी, सत्यापन एवं सुरक्षा मानकों का अनुपालन सुनिश्चित कराने के लिए बना है। पोर्टल पर दर्ज विवरण के अनुसार फिटनेस फेल कुल वाहनों की संख्या-113 व परमिट समाप्त/बिना परमिट के कुल-244 वाहन है। उक्त वाहनों के संचालन कराने वाले स्कूलों के प्रबन्धक/प्रधानाचार्यो को जिलाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि तीन दिवस के अन्दर फिटनेस एवं परमिट अवश्य करा लें अन्यथा उनके विरूद्ध कठोर कार्रवाई अमल में लायी जायेगी। जिलाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि विद्यालय के प्रबन्धक/प्रधानचार्य यह भी सुनिश्चित कर ले कि विद्यालय यान निर्धारित गति सीमा में संचालित हो, वाहन के संचालन के समय मोबाइल फोन का प्रयोग न हो, विद्यालय वाहन पीले रंग में रंगी हो और अग्र तथ पश्च भाग में 'विद्यालय बस' तथा विद्यालय का नाम लिखा हो, प्रत्येक स्कूली बस में स्पीड लिमिट डिवाइस लगी हो, फर्स्ट एड बॉक्स एव अग्निशमन संयंत्र लगे हो। जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा प्रबन्धक/प्रधानाचार्यो को कडे.निर्देश जारी किये गये कि जिन विद्यालयों के वाहनों के प्रपत्र फेल है वो तत्काल 03 दिवस के अन्दर सही करा ले अन्यथा उनके विद्यालय की मान्यता को प्रत्यर्पण की कार्यवाही की जायेगा। उक्त के साथ विद्यालय स्तर पर विद्यालय सुरक्षा समिति की बैठक कराते हुए उसकी कार्यवृत्ति पोर्टल पर अपलोड कराने के निर्देश दिये गये। बैठक में मुख्य राजस्व अधिकारी अजय अम्बष्ट, सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) सत्येन्द्र कुमार सिंह, जिला विद्यालय निरीक्षक देवेन्द्र कुमार सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ0 समीर, यात्री/मालकर अधिकारी प्रमोद कुमार, सम्भागीय निरीक्षक (प्राविधिक) अशोक कुमार यादव, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका, धर्मराज राम, यातायात निरीक्षक मनोज कुमार पाण्डेय एवं जनपद के स्कूलों के प्रबन्धक/प्रधानाचार्य उपस्थित रहे।

इंदौर के रेती मंडी ब्रिज पर राजेंद्र नगर की ओर ट्रैफिक शुरू

-प्रणित नरेंद्र तिवारी

इंदौर (उत्तरशक्ति)। एबी रोड पर राजेंद्र नगर क्षेत्र में बन रहे रेती मंडी रेलवे ओवर ब्रिज को आखिरकार राऊ चौराहे से राजेंद्र नगर की तरफ आने वाले वाहनों के लिए खोल दिया गया है। ब्रिज का एक हिस्सा शुरू होने से प्रतिदिन सफर करने वाले सैकड़ों वाहन चालकों को ट्रैफिक जाम की झंझट से बड़ी राहत मिली है।हालांकि, दूसरी तरफ राऊ की ओर जाने वाले वाहनों को अब भी नीचे बनी सर्विस रोड से ही गुजरना पड़ रहा है। बारिश के इस मौसम में सर्विस रोड पर कीचड़ और गहरे गड्ढों के कारण वाहन चालकों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

एल.टी. मार्ग के सीनियर पीआई विजय दंडवते का हुआ सम्मान

मुंबई। एल.टी. मार्ग पुलिस स्टेशन के सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर (पीआई) विजय दंडवते को पुष्पगुच्छ एवं शॉल भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अनेक समाजसेवी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।सम्मान समारोह में वरिष्ठ समाजसेवी हौशिला प्रसाद गुप्ता, समाजसेवक एवं कल्याण जिला कोषाध्यक्ष संजय तिवारी, नेता ,ह्यकदम कदम परह्व हिंदी न्यूज पेपर के संपादक छोटे लाल शर्मा तथा केकेपी न्यूज के पत्रकार शिवा जायसवाल सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

उपस्थित लोगों ने विजय दंडवते के कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें समाज और पुलिस प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने के लिए शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम का माहौल सौहार्दपूर्ण एवं सम्मानपूर्ण रहा।

कांग्रेस सभासद शहनवाज मंजूर के जन्मदिन पर उमड़ा बधाईयों का तांता

डॉ. इम्तियाज अहमद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जौनपुर शहर कांग्रेस पार्टी के सभासद शहनवाज मंजूर के जन्मदिन के अवसर पर क्षेत्र में उत्साह का माहौल देखने को मिला। उनके समर्थकों, पार्टी कार्यकताओं एवं शुभचिंतकों ने उन्हें जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं।

इस अवसर पर लोगों ने उनके स्वस्थ, सुखी और दीघार्यु जीवन की कामना करते हुए कहा कि शहनवाज मंजूर जनसेवा के क्षेत्र में सक्रिय रहते हुए क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। जन्मदिन के मौके पर विभिन्न स्थानों से बधाई संदेश लगातार मिलते रहे, जिससे पूरा माहौल उत्सवपूर्ण बना रहा। मोहम्मद आरिफ खान शहर कांग्रेस अध्यक्ष, सत्य वीर सिंह अधिवक्ता, आदि

ठगी व मारपीट के मामले में छह आरोपितों के विरुद्ध मुकदमा

केराकत,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। एसपी कुंवर अनुपम सिंह के आदेश पर कोतवाली पुलिस ने पैसा दोगुना करने का झांसा देकर ठगी व मारने-पीटने के 6 नामजद आरोपीतो के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया है।

क्षेत्र के अजोरपुर गांव निवासी विनय राय ने एसपी को प्रार्थना पत्र दिया देखकर आरोप लगाया कि गांव के विजय कुमार राय, गौरव ने भाई संतोष कुमार राय, देवी प्रसाद राय, सुख सागर राय व देवेंद्र राय ने शीघ्र रुपए दोगुना करने का झांसा देकर उनसे केटीएम से 40 हजार रुपए जमा कराए। केवल 10 हजार की रसीद दी। शेष 30 हजार मांगने पर टाल-मटोल करते रहे। दबाव बनाने पर 21 जून को गालियां देते हुए आरोपीयों ने लाठी डंडा से मारा पीटा। और जान से मार डालने की धमकी दी। यूपी- 112 पर सूचना व कोतवाली में प्रार्थना पत्र देने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। कोतवाली प्रभारी अरविंद कुमार पांडे ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर मामले की छानबीन पुलिस कर रही है।

बिना फिटनेस और अधूरे कागजात पर दौड़ रहे स्कूली वाहन बच्चों की सुरक्षा पर मंडरा रहा खतरा

केराकत जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्षेत्र में संचालित कुछ निजी विद्यालयों के वाहनों को लेकर भी गंभीर सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि कई स्कूलों में बच्चों के आवागमन के लिए ऐसे वाहन लगाए गए हैं जिनकी फिटनेस, परमिट, बीमा तथा अन्य आवश्यक दस्तावेज अद्यतन नहीं हैं। कुछ वाहन जर्जर हालत में होने के बावजूद सड़कों पर दौड़ रहे हैं। अभिभावकों का कहना है कि स्कूल वाहन बच्चों की सुरक्षा से जुड़ा विषय है, इसलिए इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही गंभीर हादसे का कारण बन सकती है। यदि बिना फिटनेस या नियमों के विपरीत वाहन संचालित हो रहे हैं तो उनके विरुद्ध तत्काल कार्रवाई होनी चाहिए। लोगों ने जिला प्रशासन एवं आरटीओ विभाग से मांग की है कि क्षेत्र के सभी निजी विद्यालयों के वाहनों का विशेष अभियान चलाकर निरीक्षण कराया जाए। जिन वाहनों के पास वैध फिटनेस, परमिट, बीमा या अन्य आवश्यक दस्तावेज न हों अथवा जो सुरक्षा मानकों पर खरे न उतरते हों, उनके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि स्कूली बच्चों की सुरक्षा से कोई समझौता न हो।

गोदान एक्सप्रेस के सामने कूदकर नौवीं की छात्रा ने दी जान, जांच में जुटी पुलिस

मड़ियाहूं,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कोतवाली क्षेत्र के मड़ियाहूंझंजफराबाद रेलवे ट्रैक पर रघुनाथपुर गांव के पास रविवार को एक 15 वर्षीय किशोरी ने ट्रेन के सामने कूदकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलते ही रेलवे पुलिस और मड़ियाहूं कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची तथा विधिक कार्रवाई शुरू कर दी। मुंबई से छपरा जा रही गोदान एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 11059) के सामने रेलवे ट्रैक के किलोमीटर 33/11 पर किशोरी ने छलांग लगा दी। ट्रेन की चपेट में आने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतका की पहचान मुकुंदपुर गांव निवासी शिवबाबू पटेल की 15 वर्षीय पुत्री सोहाना के रूप में हुई। घटना की सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंच गए। किशोरी की मौत से परिवार में कोहराम मच गया। प्रभारी निरीक्षक दीपेंद्र सिंह ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत होता है। आत्महत्या के कारणों का अभी पता नहीं चल सका है। पुलिस परिजनों से पूछताछ कर रही है तथा सभी पहलुओं की जांच के बाद आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

नितिश तिवारी को रुस में एमबीबीएस की डीग्री मिलने पर लोगों ने दी बधाई

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जौनपुर उत्तर प्रदेश के डिहहीया गायत्री नगर निवासी सुबेदार तिवारी के नाती नितिश तिवारी ने रुस में बैचलर ऑफ मेडिसिन बैचलर ऑफ सर्जरी (एम बी बीएस) ने कड़ी मेहनत व समर्पण से की डिग्री प्राप्त कर क्षेत्र और जिले का नाम रोशन कर दिया । उनके इस उपलब्धि के लिए समाज के सभी लोगों ने हार्दिक बधाई दी है। साथ ही साथ माता पिता का नाम रोशन किया। डॉ नितिश तिवारी का पुरा परिवार मुल रूप से दिल्ली में रहता है परिवार में खुशी और उत्सव का महोल है। परिवार वालों का आशीर्वाद हमेशा नितिश के साथ रहा , वही बड़े पापा बिजेंद्र तिवारी का सपना साकार हुआ । डॉ नितिश के पापा भारत पेट्रोलियम के ठेकेदार है , बालेन्द्र तिवारी और बड़े चाचा भूपेन्द्र तिवारी छोटे चाचा एडवोकेट सतेन्द्र तिवारी ,दादी फूलकुमारी,

बड़ी मम्मी मनोरमा, मम्मी मंजू, चाची कविता, बबिता, बड़े भाई डॉ पुष्पेंद्र बड़ी बहन डॉ श्रीमती पूजा, नानी लालमणि, मामी अनिता, निलम, रेखा, लता ने भी हार्दिक बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। परिवार के सभी सदस्यों ने की गाइड लाइन पर बच्चो की पढाई का मुख्य उद्देश्य साकार हुआ है और सतेन्द्र के नेतृत्व का असर पूरे परिवार पर पड़ा जिसके कारण शिक्षा जगत में बच्चे ऊंचे पायदान पर नाम रोशन किया। वहीं नितिश तीसरे पुत्र एम बी बीएस की डिग्री हासिल किये है , और नितिश के ननिहाल में भी खुशी का माहौल चल रहा है। डॉ नितिश के नाना पंडित विश्वनाथ तिवारी पुर्व जिलामहामंत्री भाजपा के रह चुके है, आज उनके घर पर लोगों ने इस शुभ अवसर पर आकर आशीर्वाद और शुभ कामनाएं दे रहे है। पंडित विश्वनाथ का कहना है कि नितिश बचपन से ही कुशल और मेहनती बच्चा था । ननिहाल में उपस्थित लोग खुशी जाहिर कर बधाई देते हुए बड़े मामा भुपनरायण तिवारी दूसरे मामा ईशनारायण तिवारी , तीसरे मामा राजेश तिवारी जो कि जिलापंचायत वार्ड क्रमांक 20 के भावी उम्मीदवार है और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है की डॉ नितिश के छोटे मामा आशुतोष तिवारी जो की समाज में एक अलग पहचान बनाए है और मुम्बई के उप नगर नालासोपारा से लोग नितिश को अनेक अनेक बधाई और शुभ आशीर्वाद प्रदान कर रहे है । वहीं दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा, वरिष्ठ पत्रकार प्रेम चौबे, आनंद कुमार मिश्रा, जगदीश तिवारी, राजेश वर्मा ने भी हार्दिक बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं।

एफआरएनडी प्लेटफॉर्म से इलक्किया को मिली उम्मीद तथा आत्मनिर्भर बनने का जरिया

मुंबई। कुछ कहानियां यह विश्वास दिलाती हैं कि जिंदगी चाहे जितनी कठिन क्यों न हो, एक छोटा-सा मौका सब कुछ बदल सकता है। 28 वर्षीय इलक्किया की कहानी भी कुछ ऐसी ही है। भावनात्मक सहारे, अपनापन और आर्थिक आत्मनिर्भरता की उनकी तलाश को नई दिशा तब मिली, जब उन्होंने इंटरैक्ट ग्रुप के भारत के अग्रणी वॉयस-फर्स्ट सोशल डिस्कवरी प्लेटफॉर्म एफआरएनडी के बारे में जाना। इलक्किया स्वभाव से बेहद संकोची थीं। लोगों से खुलकर बात करना उनके लिए आसान नहीं था, खासकर पुरुषों से। बार-बार अपनों को खोने के बाद किसी पर भरोसा करना भी मुश्किल हो गया था। ऐसे ही एक दौर में सोशल मीडिया पर उनकी नजर एफआरएनडी के बारे में एक वीडियो पर पड़ी। उन्हें लगा कि शायद यहां कोई ऐसा सुरक्षित मंच मिल जाए, जहां कोई उन्हें परखे बिना उनकी बात सुने और वे बिना किसी झिझक के अपनी बात कह सकें। उन्होंने इस प्लेटफॉर्म से जुड़ने का फैसला किया। इसी प्लेटफॉर्म पर इलक्किया की पहचान एक ऐसे व्यक्ति से हुई, जिसके जीवन में भी दर्द और अकेलापन कम नहीं था। उसने भी अपनी मां को खोया था और धीरे-धीरे जिंदगी से निराशा हो चुका था। काम ही उसकी दुनिया बन गया था। उसके लिए जिंदगी अब बस गुजर रही थी, जी नहीं जा रही थी। देर रात तक चलने वाली बातचीत का सिलसिला आगे बढ़ा तो दोनों ने एक-दूसरे के दर्द, संघर्ष और भावनाओं को करीब से समझना शुरू किया। धीरे-धीरे यह रिश्ता और मजबूत होता गया। सहानुभूति से शुरू हुई यह पहचान दोस्ती में बदली और फिर दोस्ती ने प्यार का रूप ले लिया। इसी साल दोनों विवाह बंधन में बंध गए।

इलक्किया के लिए एफआरएनडी सिर्फ नए लोगों से मिलने का मंच नहीं बना, बल्कि आत्मनिर्भर बनने का जरिया भी साबित हुआ। प्लेटफॉर्म से हुई आय की मदद से उन्होंने अपनी पढ़ाई पूरी की। आज वे एक प्रैक्टिसिंग एडवोकेट हैं और अपने पैरों पर मजबूती से खड़ी हैं। कभी खुद को पूरी तरह अकेला महसूस करने वाली इलक्किया आज एक नई जिंदगी जी रही हैं। उनके लिए यह सिर्फ एक कहानी नहीं, बल्कि भरोसे, प्यार और दूसरी शुरूआत का सफर है।

पद्मश्री डॉ. लालजी सिंह की 79वीं जयंती पर भावपूर्ण श्रद्धांजलि, वैज्ञानिक योगदान को किया गया नमन

सिकरारा, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। डीएनए फिंगरप्रिंटिंग के जनक एवं काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के पूर्व कुलपति पद्मश्री डॉ. लालजी सिंह की 79वीं जयंती रविवार को उनके पैतृक गांव कलवारी स्थित डॉ. लालजी सिंह रिसर्च सेंटर में श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में ग्रामीण, शिक्षाविद, विद्यार्थी एवं सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने डॉ. लालजी सिंह के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी और उनके अद्वितीय योगदान को याद किया। वक्ताओं ने कहा कि डॉ. लालजी सिंह ने डीएनए फिंगरप्रिंटिंग तकनीक के माध्यम से न केवल भारत को वैज्ञानिक पहचान

दिलाई, बल्कि अपराध अनुसंधान, न्याय प्रणाली, जैव प्रौद्योगिकी और चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। कार्यक्रम का आयोजन उनके भतीजे एवं संस्थान के प्रबंध निदेशक आशीष सिंह की देखरेख में किया गया। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि ग्रामीण पृष्ठभूमि से निकलकर वैश्विक स्तर पर पहचान बनाने वाले डॉ. लालजी सिंह युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उनके जीवन और कार्यों से प्रेरणा लेकर समाज को आगे बढ़ाने का संकल्प भी लिया गया। इस मौके पर प्राचार्य अजय कुमार श्रीवास्तव, सेवानिवृत्त शिक्षक एवं राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित लल्लन उपाध्याय, शरद सिंह (प्रधानाचार्य), सुशील सिंह (प्रधान प्रतिनिधि), आकाश मिश्र, डॉ. शोभनाथ यादव सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

बिजली विभाग की बड़ी लापरवाही: अहमद खां मंडी में खुले बॉक्स से सांड को लगा करंट, तड़प-तड़प कर हुआ गंभीर घायल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर क्षेत्र के अहमद खां मंडी इलाके में रविवार को बिजली विभाग की एक और गंभीर लापरवाही सामने आई। यहाँ सड़क किनारे लगे बिजली के एक खुले जंक्शन बॉक्स में अचानक करंट उतर आया। इसकी चपेट में आने से एक सांड गंभीर रूप से घायल हो गया। करंट लगते ही सांड बीच सड़क पर तड़पने लगा, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों की सूझबूझ से बची जान सांड को तड़पता देख आस-पास के दुकानदार और स्थानीय निवासी तुरंत मदद के लिए आगे आए। लोगों ने सूझबूझ का परिचय देते हुए सूखी लकड़ियों और बांस की मदद से सांड को किसी तरह बिजली के बॉक्स से दूर किया। स्थानीय नागरिकों की इसी तत्परता के कारण सांड की जान बच सकी, अन्यथा एक बड़ा हादसा हो सकता था। घटना के बाद से घायल सांड का इलाज कराया जा रहा है। पिछले साल हुई थीं तीन मौतें, फिर भी नहीं ली सीख स्थानीय निवासियों में इस घटना को लेकर बिजली विभाग के खिलाफ भारी आक्रोश है। लोगों का कहना है कि पिछले साल भी नगर क्षेत्र में करंट लगने से तीन लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी। उस समय प्रशासन और बिजली विभाग ने बड़े-बड़े दावे किए थे कि सभी खुले तारों और बॉक्स को ठीक किया जाएगा। लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि विभाग आज भी कुंभकर्णी नींद सोया हुआ है।

बरसात में और भयावह हो जाती है स्थितिमौसम बदलते ही और बरसात की शुरूआत होते ही शहर की स्थिति बेहद डरावनी हो जाती है। अहमद खां मंडी समेत नगर के कई इलाकों में जगह-जगह बिजली के बॉक्स खुले पड़े हैं। कई पोल (खंभों) में भी करंट उतर रहा है। बारिश के मौसम में पानी जमा होने के कारण यह खुले बॉक्स और पोल चलते-फिरते 'डेथ ट्रैप' (मौत का जाल) बन चुके हैं।स्थानीय नागरिकों ने चेतावनी दी है कि अगर जल्द ही इन खुले बॉक्सों को बंद नहीं किया गया और जर्जर तारों को ठीक नहीं किया गया, तो वे सड़क पर उतरकर उग्र प्रदर्शन करने को बाध्य होंगे।

शिवपुर बाईपास पर स्कॉर्पियो की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत, चालक वाहन समेत फरार

मड़ियाहूं,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कोतवाली क्षेत्र के शिवपुर तिराहे पर रविवार को स्कॉर्पियो और बाइक की भिड़ंत में एक युवक की मौत हो गई। दुर्घटना के बाद स्कॉर्पियो चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। परिजनों के अनुसार बरसठी थाना क्षेत्र के सराय विक्रम गांव निवासी 26 वर्षीय महताब अंसारी मड़ियाहूं के भंडरिया टोला स्थित अपने ननिहाल आए हुए थे। रविवार को वह बाइक से अपने घर लौट रहे थे। जैसे ही वह शिवपुर बाईपास तिराहे पर पहुंचे, तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि महताब सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए।

स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मड़ियाहूं ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रभारी निरीक्षक दीपेंद्र सिंह ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।विधिक कार्यवाही की जा रही है।

वाराणसी में दर्दनाक सड़क हादसा: तेज रफ्तार पिकअप ने ली दो जिगरी दोस्तों की जान, गांवों में छाया मातम

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। बड़ागांव थाना क्षेत्र के बड़ागांवझकपसेठी बाइपास मार्ग स्थित गजापुर के पास रविवार सुबह एक भीषण सड़क हादसे में बाइक सवार दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। तेज रफ्तार प्याज लदी पिकअप वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे दोनों युवक सड़क पर गिर पड़े और गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। जानकारी के अनुसार, शेरवानीपुर गांव निवासी सतीश (24) और पतेर गांव निवासी मूलचंद (25) गहरे दोस्त थे। दोनों रविवार सुबह एक ही बाइक से पेट्रोल भरवाने के लिए निकले थे। जैसे ही उनकी बाइक गजापुर पेट्रोल पंप के पास मुड़ी, सामने से आ रही तेज रफ्तार पिकअप ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक पिकअप में फंसकर काफी दूर तक घिसटती चली गई। प्रत्यक्षदर्शियों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने पिकअप वाहन को पकड़ लिया और चालक इंद्रजीत वर्मा, निवासी असवालपुर (थाना फूलपुर), को हिरासत में ले लिया। पुलिस ने दोनों घायलों को तत्काल नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पंचनामा की कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया और गांवों में शोक की लहर दौड़ गई। परिजनों के अनुसार, दोनों युवक टेंट हाउस में काम करते थे और घर की जिम्मेदारियों में मदद करते थे। मूलचंद विवाहित था और एक वर्ष के पुत्र का पिता था, जबकि सतीश अविवाहित था और तीन भाइयों में सबसे छोटा था। यह दर्दनाक हादसा फिर एक बार तेज रफ्तार और लापरवाही से होने वाले सड़क हादसों की गंभीरता को उजागर करता है।

5वीं-8वीं की मान्यता पर धड़ल्ले से चल रही 10वीं-12वीं की कक्षाएं, शिक्षा विभाग की कार्यशैली पर उठे सवाल

केराकत ,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत क्षेत्र में शिक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े करने वाला एक गंभीर मामला सामने आया है। क्षेत्र के कई निजी विद्यालय पांचवीं अथवा आठवीं तक की मान्यता होने के बावजूद धड़ल्ले से हाईस्कूल (10वीं) और इंटरमीडिएट (12वीं) की कक्षाओं का संचालन कर रहे हैं। आरोप है कि ऐसे विद्यालय बच्चों और अभिभावकों को गुमराह कर प्रवेश ले रहे हैं तथा उनसे मोटी फीस वसूल रहे हैं।

सूत्रों के अनुसार, क्षेत्र में कई विद्यालय स्वयं को यूपी बोर्ड अथवा सीबीएसई पैटर्न का बताकर हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट तक की पढ़ाई कराने का दावा कर रहे हैं, जबकि उनके पास संबंधित कक्षाओं के संचालन की आवश्यक मान्यता नहीं है। इतना ही नहीं, कुछ विद्यालयों के भवन, सुरक्षा व्यवस्था और अन्य आवश्यक अभिलेख भी मानकों के अनुरूप नहीं बताए जा रहे हैं। अभिभावकों का कहना है कि विद्यालय संचालक आकर्षक प्रचार-प्रसार और बड़े-बड़े दावे कर बच्चों का प्रवेश तो ले लेते हैं, लेकिन बाद में छात्रों के भविष्य पर संकट के बादल मंडराने लगते हैं। यदि समय रहते ऐसे विद्यालयों की जांच नहीं हुई तो हजारों विद्यार्थियों का शैक्षणिक भविष्य प्रभावित हो सकता है।

क्षेत्र में यह भी चर्चा है कि वर्षों से इस तरह के विद्यालय खुलेआम संचालित हो रहे हैं, लेकिन संबंधित विभाग की ओर से प्रभावी कार्रवाई नहीं की जा रही है। इससे शिक्षा विभाग की निगरानी व्यवस्था पर भी सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन, बेसिक शिक्षा अधिकारी तथा संबंधित अधिकारियों से मांग की है कि क्षेत्र के सभी निजी विद्यालयों की मान्यता, अभिलेखों और संचालित कक्षाओं की गहन जांच कराई जाए। यदि कोई विद्यालय निर्धारित मान्यता से अधिक कक्षाओं का संचालन करता पाया जाए तो उसके विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाए, ताकि विद्यार्थियों के भविष्य के साथ किसी प्रकार का खिलवाड़ न हो सके।

मिशन शक्ति केंद्र की पहल से पारिवारिक विवाद सुलझा, काउंसलिंग के बाद दंपती ने साथ रहने का लिया निर्णय

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मिशन शक्ति केंद्र, महिला थाना की प्रभावी काउंसलिंग के चलते एक पारिवारिक विवाद का सफल और सौहार्दपूर्ण समाधान निकल आया। आपसी सहमति बनने के बाद पति-पत्नी ने भविष्य में शांतिपूर्ण और सम्मानजनक तरीके से साथ रहने का संकल्प लिया।

महिला थाना प्रभारी श्यामा तिवारी ने बताया कि गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के ग्राम मनिहा गोविंदपुर निवासी अर्चना कनौजिया ने अपने पति नरेंद्र कनौजिया (निवासी ग्राम नेहिया, थाना चोलापुर, जनपद वाराणसी) के विरुद्ध मारपीट, गाली-गलौज और घर से निकाल देने का आरोप लगाते हुए प्रार्थना पत्र दिया था।

मामले को गंभीरता से लेते हुए मिशन शक्ति केंद्र पर दोनों पक्षों को

रविवार को बुलाया गया, जहां महिला थाना प्रभारी ने धैर्यपूर्वक दोनों की बातें सुनीं और विस्तृत काउंसलिंग की। समझाइश और संवाद के बाद दोनों पक्षों के बीच सहमति बन गई।

काफी देर चली बातचीत के बाद दंपती ने आपसी मतभेद भुलाकर एक-दूसरे के साथ सम्मानपूर्वक जीवन व्यतीत करने का निर्णय लिया और सुलह समझौते पर सहमति जताई।

मिशन शक्ति केंद्र की इस पहल से एक टूटता हुआ परिवार पुनः एकजुट हो गया और सामाजिक स्तर पर सकारात्मक संदेश गया।